04 - क्या दलीय लोकतंत्र से आगे कोई रास्ता नहीं है ?

05 - सदैव प्रेरक एवं मार्गदर्शक बने रहेंगे डॉ. कलाम

A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024

06 - खेतों में फसल बचाने किसान कर रहे जद्दोजहद, बारिश के कारण कटाई कार्य...

07- आठ अरब मनुष्य याने आठ अरब विचार शैली और स्वभाव!

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-47 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज करा पाएंगे प्रशांत किशोर?

उमेश चतुर्वेदी

पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने 'संपूर्ण क्रांति' का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है।

बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे?

बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति-धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें।

किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रूका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार-बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार-बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है।

प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है।

लेकिन क्या प्रशांत किशोर इस जाति-धर्म की राजनीति से सचमुच दूर हैं? बिहार की राजनीति पिछली सदी के नब्बे के दशक से कमंडल और मंडल खेमे के बीच झूलती रही है। जाति और धर्म की अनदेखी करने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर इससे आगे दलितवाद की ओर आगे बढ़ते दिख रहे हैं। दिलचस्प यह है कि उनकी टीम में केजरीवाल की टीम जैसे पूर्व नौकरशाह और समाजसेवी की भीड़ दिखती है। जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद रहे देवेंद्र यादव, जनता दल यू के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राजनयिक पवन वर्मा, पूर्व राजनयिक मनोज भारती प्रशांत किशोर के सहयोगी हैं। देवेंद्र यादव के सितारे इन दिनों गर्दिश में हैं तो पवन वर्मा को बाद के दिनों में नीतीश ने भाव नहीं दिया। जिस तरह केजरीवाल की राजनीति से उन लोगों ने ज्यादा उम्मीद लगाई और साथ दिया, जिन्हें पारंपरिक दल तवज्जो नहीं देते थे, कुछ वैसा ही हाल प्रशांत किशोर की नवेली पार्टी का भी दिख रहा है। ऐसे में शक की गुंजाइश बढ़ जाती है कि प्रशांत भी ताकत पाकर कहीं केजरीवाल की पार्टी के अवसरवादी और नाटकबाज राजनीति की कॉपी ना बन जाएं।

केजरीवाल की पार्टी को सब देख ही रहे हैं। इसलिए प्रशांत किशोर को लेकर शक होना स्वाभाविक है। लोहिया और जयप्रकाश मानते थे कि सत्ता में दलों का बदलने की बजाय जरूरी है कि तंत्र में बदलाव लाना। फिलहाल प्रशांत किशोर तंत्र यानी व्यवस्था में ही बदलाव का दावा कर रहे हैं। इसी वजह से उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ी है। लेकिन वे ऐसा तभी कर पाएंगे, जब उन्हें बिहार की जनता 2025 के विधानसभा चुनावों में उन्हें मजबूत समर्थन देगी। प्रशांत किशोर तंत्र तभी बदल पाएंगे, जब उनके पास पारंपरिक राजनेता नहीं होंगे, बल्कि राजनीति का सुचिंतन वाला नया खून उनके पास होगा। फिलहाल निर्णायक भूमिकाओं में जो दिख रहे हैं, वे पूर्व नौकरशाह हैं। नौकरशाहों को लेकर यह मानने में हर्ज नहीं है कि वे आम नेताओं की तरह जनता की परवाह ज्यादा करेंगे। सवाल यह है कि प्रशांत किशोर इस नजरिए से सोच भी रहे हैं या नहीं?

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मणिपुर हिंसा के बाद कुकी-मैतेई पहली बार बैठक करेंगे

- दोनों समुदाय के नेता-विधायक आज दिल्ली में मिलेंगे; शांति का समाधान निकालेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले एक साल से मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच 15 अक्टूबर को कुकी और मैतेई समुदाय पहली बार बातचीत करने जा रहे हैं। गृह मंत्रालय की तरफ से नई दिल्ली में होने वाली बैठक में दोनों समुदाय के नेता और विधायक शामिल होंगे ताकि शांति से हिंसा का समाधान निकाला जा सके।

बैठक में मैतेई समुदाय के नेता थोंगम बिस्वजीत, स्पीकर थोकचोम सत्यब्रत, थोउनाओजम बसंतकुमार, खोंगबंतबाम इबोमचा, डॉ. सपाम रंजन, थोकचोम राधे-श्याम और टोंगब्रम रॉबिन्ड्रो शामिल होंगे। वहीं कुकी समुदाय के नेताओं में लेटपाओ हाओकिप, पाओलिएनलाल हाओकिप, हाओखोलेट किपगेन रहेंगे। इस चर्चा में नागा विधायकों और मंत्रियों में अवांगबो न्यूमई, एल. दिखो और राम मुइवा भी मौजूद रहेंगे।

देश के 5 राज्यों में धार्मिक विवाद

- बहराइच में दूसरे दिन हिंसा, इंटरनेट बंद, भीड़ ने अस्पताल-गाड़ियों के शोरूम जलाए
- दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में फायरिंग हुई, एक युवक मारा गया
- हैदराबाद में मंदिर में तोड़फोड़, बंगाल में दुर्गा मूर्ति जलाई, कर्नाटक में दो समूहों के बीच झड़प
- माहौल बिगाड़ने वालों पर सीएम योगी सख्त, 25 गिरफ्तार, एसएचओ और चौकी प्रभारी सस्पेंड

हैदराबाद/हावड़ा/बहराइच/बेलगावी (एजेंसी)। देश के 5 राज्यों तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, यूपी और झारखंड में धार्मिक विवाद हुआ है। तेलंगाना में हैदराबाद के मुथ्यलम्मा मंदिर में सोमवार सुबह देवी मां की मूर्ति तोड़ दी गई। यहां सुबह विरोध प्रदर्शन हुए। बीजेपी नेता माधवी लता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी भी मंदिर पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में हालात बेकाबू हो गए हैं। हजारों की भीड़ ने अस्पताल में आग लगा दी। कई शोरूम-दुकानों को फूंक दिया। भीड़ को देखकर पुलिस को पीछे हटना पड़ा। आसपास के 6 जिलों से फोर्स और पीएसी बुलाई गई है। हिंसा प्रभावित इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

लखनऊ से एसटीएफ चीफ और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर भी बहराइच पहुंच गए हैं। उन्होंने आगजनी कर रही भीड़ को पहले रोका, नहीं मानी तो हाथ में पिस्टल लेकर दौड़ा लिया। रविवार को हरदी इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर दूसरे समुदाय के साथ विवाद हो गया था। इस दौरान हिंसा भड़क गई।

हैदराबाद में दो दिन में दूसरी घटना

12 अक्टूबर को दुर्गा पंडाल में भी तोड़फोड़

हैदराबाद में मंदिर-पंडालों में तोड़फोड़ की यह दो दिन में दूसरी घटना है। इससे पहले 12 अक्टूबर को नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में एक पूजा पंडाल में देवी दुर्गा की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया था। पुलिस ले एक आरोपी को पकड़ा था।

सेंट्रल जोन के डीसीपी अक्षेश यादव ने बताया था कि वह व्यक्ति आवारा था और उसे भूख लग रही थी और भोजन की तलाश में उसने प्रसाद को हिला दिया जिससे मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, भाजपा नेताओं ने इसे साजिश बताया था।

बेतुकी बयानबाजी करके बुरा फंसा कनाडा!

भारत ने कनाडाई राजदूत को किया तलब, अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने कनाडा के ताजा आरोपों को बेतुका करारा दिया है। इसी के साथ भारत ने कनाडा के राजदूत को तलब भी किया है। कनाडा ने आरोप लगाया कि इंडियन हाई कमिशनर और अन्य डिप्लोमेट जांज से जुड़े एक मामले में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' हैं। भारत ने कनाडा के इस डिप्लोमेटिक कम्युनिकेशन को खारिज कर दिया। कनाडा ने ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त को सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या की जांच से जोड़ा था। भारत ने अपने राजदूत को भी वापस बुला लिया है।

विदेश मंत्रालय ने खारिज किया कनाडा का बयान-विदेश मंत्रालय ने सोमवार दोपहर जारी एक बयान में कहा, हमें कल कनाडा से एक डिप्लोमेटिक कम्युनिकेशन प्राप्त हुआ, जिसमें कहा गया कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में जांच से संबंधित मामले में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' हैं। भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा मानती है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।

सुप्रभात

तुम जिसे हराना चाहते हो
हो सकता है वह पहले से ही
हारा हुआ हो
तुम जिसे अपमानित करना चाहते हो
हो सकता है वह दया का पात्र हो
तुम जिससे घृणा करना चाहते हो
हो सकता है वह प्रेम के लिए
बना हो
वह जो खोया-सा लगातार बड़बड़ाता
सड़क पर चला जा रहा है
वह कल हुए अपमान का बदला
आज ले रहा है
वह जो पार्क की बेंच पर बैठा है अकेला
चुपचाप
उसके भीतर दुखों की भट्टी जल रही है
वह जो जोर-जोर से चिल्लाते हुए
लड़ रही है पड़ोसन से
वह अपने दुख भुला रही है
वह जो अभी-अभी कूदी है ऊँची
बिल्डिंग से
थोड़ी देर पहले तक
हँस-हँस कर बातें कर रही थी
सभी कगार पर खड़े हैं
ज़रा सा धक्का उन्हें
खाई में धकेल सकता है
ऐसा भी हो सकता है
कोई तुम पर अंगारे फेंके
और तुम शांत खड़े रहो तो
फिर देखो वह कैसे पानी की तरह
बहने लगता है।

- चंद्रशेखर साकल्ले

गुजरात से 5 हजार करोड़ की 518 किलो कोकीन जब्त, 5 गिरफ्तार

12 दिन में इस सिंडिकेट पर 3 छापे, 13,000 करोड़ की ड्रग्स बरामद

गांधीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अंकलेश्वर के अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के गोडाउन से 518 किलो कोकीन जब्त की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5000 करोड़ रुपए है। दिल्ली-गुजरात पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में मौके से 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि यह कोकीन उसी इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़ी है, जिसकी 2 बड़ी खेप दिल्ली से 2 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को छापेमारी के दौरान पकड़ाई थीं।

पुलिस ने बताया कि अब तक इस सिंडिकेट की कुल 1289 किलो ड्रग्स जब्त की गई है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 13 हजार करोड़ रुपए है।

इस सिंडिकेट से जुड़े कुल 12 लोग अब तब गिरफ्तार हो चुकी है, जिनमें से 7 को दिल्ली की पिछली 2 रेड के दौरान हिरासत में लिया गया था।

झारखंड में हैवानियत

दुर्गा पूजा के दौरान तीन नाबालिग लड़कियों से दरिंदगी, 8 आरोपी गिरफ्तार

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पलामू और लातेहार जिले में दलित और आदिवासी समुदाय की लड़कियों से गैंगरेप की दो घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में सूचना मिलते ही आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस बीच गोड्डा जिले में भी 14 साल की एक आदिवासी लड़की से दुष्कर्म की खबर है। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा का मेला देखकर घर लौट रही दलित और आदिवासी समाज की दो नाबालिग लड़कियों के साथ शुक्रवार की शाम छह लड़कों ने गैंगरेप किया था। पहले इस घटना को दबाने की कोशिश हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में फूटी कोठी फ्लाई-ओवर का लोकार्पण किया

कुछ अधूरे शुरू किए, काम होता रहेगा, यह नया तरीका : सीएम

भोपाल/इंदौर (नप्र)। 14 अक्टूबर इंदौर को एक साथ चार फ्लाईओवर मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भंवरकुआं, फूटी कोठी फ्लाईओवर के साथ खजराना और लवकुश चौराहे के फ्लाईओवर की एक-एक भुजा का एक साथ लोकार्पण किया। सीएम ने कहा, 'कुछ ब्रिज अधूरे हैं, काम होता रहेगा, यह लोकार्पण का नया तरीका है। हमने थोड़ा सा बदलाव किया है।'

चारों फ्लाईओवर शुरू होने से 7 लाख से अधिक लोगों का आना-जाना आसान होगा। यहां से गुजरने वालों को जाम और सिग्नल से राहत मिलेगी। सभी ब्रिज को इंदौर विकास प्राधिकरण ने तैयार कराया है।

नशे पर सख्त एक्शन ले प्रशासन, खुली छूट-सीएम ने कहा, 'किसी ने नशे का काम किया, प्रशासन उस पर ठोस कार्रवाई करे, सरकार साथ है। सरकार खुली छूट देती है।'

400 करोड़ रुपए से होगा शहर के सीवर का काम-सीएम ने उद्घाटन मंच से कहा, इंदौर जो करता है, वो कोई नहीं करता। 400 करोड़ रुपए से शहर के सीवर का काम कराया जाएगा। यहां ट्रैफिक बेहतर बनाने के लिए 25 क्या, 35 ब्रिज भी बनाना पड़ें, तो बनाएंगे।

विजयवर्गीय बोले- इंदौर को 25 पुल और देंगे सीएम

उद्घाटन समारोह के मंच से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, आने वाले समय में मुख्यमंत्री इस शहर को 25 पुल और देंगे, यह मैं घोषणा करता हूं। उन्होंने सीएम से कहा, इंदौर में दो समस्या है- पहली ट्रैफिक और दूसरी नशा। नशे करने वाले लोग इस शहर को बदनाम करते हैं। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

आज चार सौगात मुख्यमंत्री देने आए हैं: मंत्री सिलावट

मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा, हम कई साल से यातायात के लिए जूझ रहे थे, आज चार सौगात मुख्यमंत्री देने आए हैं। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, कुछ ब्रिज पूरे नहीं बने हैं, तब भी हमने कहा है कि यातायात की समस्या का समाधान करने के लिए जितना बना, उसको चालू कर दें, बाकी का काम होता रहेगा। यह एक नया तरीका है लोकार्पण करने का, अन्यथा पूरा काम होने के बाद लोकार्पण करने की परंपरा थी। हमने थोड़ा सा बदलाव किया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 15 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा

भगवान नरसिंह की जलेब में उमड़ी भीड़, 16 देशों के सांस्कृतिक दल ने निकाली कल्चरल परेड

कुल्लू (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में भगवान नरसिंह की शाही जलेब निकाली गई। इसके बाद कल्चरल परेड निकाली जाएगी, जिसमें 16 देशों के सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया।

इससे पहले शाही जलेब में आगे-आगे नरसिंह भगवान की घोड़ी चली। पीछे आधा दर्जन से ज्यादा देवी-देवताओं की झांकियां और बीच में भगवान नरसिंह की पालकी निकली। पालकी में रूपी रियासत के राज घराना से संबंध रखने वाले रघुनाथ के मुख्य छड़ीबरदार महेश्वर सिंह नरसिंह भगवान की निशानी ढाल लेकर सवार रहे।

कुल्लू की सांस्कृतिक धरोहर एवं राजा की जलेब का दशहरे में विशेष महत्व है। जलेब यानी राजा की शोभा यात्रा। इसमें हजारों लोग और देवलू (देवता के कारिंदे) पारंपरिक बाध्य यंत्रों की थाप पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़े। 7 दिन तक चलने वाला अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा भगवान रघुनाथ जी की शोभायात्रा के साथ बीते रविवार को शुरू हो चुका है।

कुल्लू में देशी-विदेशी संस्कृति के दर्शन

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में अंतरराष्ट्रीय परेड निकाली गई। कल्चरल परेड का आगाज रथ मैदान से हुआ। परेड में 17 विदेशी सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया। इस परेड में इंडोनेशिया, म्यामांर, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, बुलिनीया, किर्गिस्तान, वेनेजुएला, इजिप्ट, उज्बेकिस्तान, बेलारूस, थाइलैंड, बंगलादेश, रशिया, नेपाल और ग्याना के दलों ने भाग लिया। देश के सांस्कृतिक दल में आसाम, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, कुल्लू, बिलासपुर, लाहौल स्पीति, हमीरपुर के दलों ने भाग लिया।

बाबा सिद्दीकी मर्डर के आरोपी बोले- बेटा भी था टारगेट

मुंबई (एजेंसी)। बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में सोमवार को मुंबई पुलिस ने बताया कि बेटा जीशान सिद्दीकी भी शूटर्स के निशाने पर था। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने इस बात को स्वीकार किया है। आरोपी ने बताया कि उन्हें दोनों को गोली मारने के आदेश मिले थे, कहा गया था कि जो मिले उसे मार दो। कुछ दिन पहले जीशान को धमकी भी दी गई थी।

मीडिया ने 13 अक्टूबर को ही यह खुलासा कर दिया था कि जीशान सिद्दीकी भी निशाने पर थे। एक फोन कॉल की वजह से बच गए नहीं तो उनकी भी जान जा सकती थी। इस मर्डर केस में अब तक 6 आरोपियों की पहचान की गई है। इनमें 3 को गिरफ्तार किया गया है। अब तक धर्मराज, शिव कुमार, गुरमेल, जीशान अख्तर, शुभम लोनकर और प्रवीण लोनकर के नाम सामने आए हैं। धर्मराज, गुरमेल और प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया गया है।

राजस्थान में फैल रहा डिप्थीरिया

7 बच्चों की मौत

भरतपुर (एजेंसी)। राजस्थान में डिप्थीरिया बीमारी धीरे-धीरे फैल रही है। डीग जिले के अलग-अलग इलाकों में डिप्थीरिया से एक महीने के भीतर 7 बच्चों की मौत हो चुकी है। मामलों की बढ़ती संख्या को देखकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और जयपुर चिकित्सा विभाग की टीमें भी डीग जिले में पहुंची है। गांव-गांव जाकर बच्चों का टीकाकरण करवाया जा रहा है। साथ ही संदिग्ध बच्चों का सैंपल लिया जा रहा है। जांच में अभी तक 24 बच्चे पॉजिटिव पाए गए, जिनमें कुछ बच्चें नेगेटिव भी हो गए है।

दिल्ली में विश्व रंग विमर्श

विश्वरंग अवलोकन और भविष्य दृष्टि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी नईदिल्ली के रवीन्द्र भवन सभागार में आज 15 अक्टूबर 2024 मंगलवार को विश्वरंग एवं वनमाली सृजन पीठ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'अवलोकन और भविष्य दृष्टि' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विश्वरंग विमर्श' का आयोजन होगा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विश्वरंगः साहित्य-संस्कृति में भविष्य दृष्टि' विषय पर विश्व रंग के स्वप्नदृष्टा संतोष चौबे अपने विचार रखेंगे। वरिष्ठ साहित्यकार विनोद तिवारी और मुकेश वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र में अनामिका 'विश्वरंग साहित्य यात्रा', डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा 'विश्वरंगः भारतीय भाषाओं का साहित्य, आयोजन और अनुवाद की जरूरत', उमाशंकर चौधरी 'विश्वरंग पत्रिकाओं के सामाजिक महत्व' और जितेंद्र श्रीवास्तव 'विश्वरंग की प्रकाशन पहल' पर अपने विचार रखेंगे। इस दौरान 'विश्वरंगः अवलोकन' फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का दूसरा सत्र 'विश्वरंग में कलाओं का पुनर्वास' अशोक भौमिक और देवेंद्र राज अंकुर की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इस सत्र में विनोद भारद्वाज 'चित्रकला', रवीन्द्र त्रिपाठी 'विश्वरंगः रूपंकर कलाएं' और देवेंद्र राज अंकुर 'नाटक एवं नाट्य कलाओं' विषय पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस सत्र में 'कला पर एकाग्र' फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा। सत्र का संचालन वनमाली कथा के संपादक कुणाल सिंह द्वारा किया जाएगा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का तीसरा सत्र वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया और चंद्रभान खयाल की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस होगा। इस सत्र में महादेव टोप्पो 'आदिवासी संस्कृति', वीणा सिन्हा 'संस्कृति', देवेंद्र चौबे 'सृजनात्मक इतिहास व पुरातत्व महत्व' लीलाधर मंडलोई 'संगीत और सामाजिकता' पर अपने विचार साझा किए। इस सत्र में 'विश्वरंग की कला दृष्टि' पर विशेष फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा। सत्र का संचालन टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र के निदेशक विनय उपाध्याय करेंगे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का अंतिम सत्र 'विश्वरंगः विश्व में हिंदी उन्मेष और प्रसार' संतोष चौबे और बलराम गुमास्ता की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इस सत्र में डॉ. मनीष चौधरी, अल्पना मिश्र, विजय कुमार मल्होत्रा, बालेंदु दाधीच, दिव्या माथुर विश्वरंग के माध्यम से विश्व में हो रहे हिंदी के प्रसार पर चर्चा करेंगे। इस दौरान 'विश्वरंग मॉरिशस 2024' पर केंद्रित विशेष फिल्म का प्रदर्शन होगा। सत्र का संचालन टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्नावट करेंगे।

सांवरा सेठ को 3.7 किलो चांदी से बनी पोशाक भेंट

- कवच, कुंडल और मुकुट पर सोने की पॉलिश; दो दिन पहले चढ़ाया था हेलिकॉप्टर

चित्तौड़गढ़/नीमच (एजेंसी)। मेवाड़ के आराध्य देव श्री सांवलिया सेठ को सोमवार को एक भक्त ने 3 किलो 700 ग्राम चांदी से बनी पोशाक भेंट में चढ़ाई है। इस पोशाक पर सोने की पॉलिश और मीनाकारी वर्क भी किया गया है। मध्य प्रदेश में नीमच के रहने वाले इस भक्त ने बिजनेस अच्छा चलने पर अपनी इनकम से सांवरा सेठ को यह भेंट चढ़ाई है। हालांकि भक्त ने अपना नाम गुप्त रखा है।

इधर, दो दिन पहले चित्तौड़गढ़ के रहने वाले एक भक्त ने पत्नी के जन्मदिन पर सांवलिया सेठ को चांदी से बना हेलिकॉप्टर भेंट किया था। इस हेलिकॉप्टर की बनावट लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

सूरजपुर में पुलिसकर्मी की पत्नी और बेटी की हत्या, स्थानीय लोगों में आक्रोश

अंबिकापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में दो लोगों की हत्या का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी मेहनाज (35) और उसकी बेटी आलिया (11) की रविवार देर रात अज्ञात लोगों ने उसके महगवां स्थित किराए के मकान में जबरन घुसकर धारदार हथियार से हत्या कर दी।

राइजिंग राजस्थान को लेकर हुए 12.75 लाख करोड़ के एमओयू

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में निवेश बढ़ाने के लक्ष्य के साथ सरकार दिसम्बर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट आयोजित करने जा रही है। इस समिट को लेकर अब तक सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच करीब 12.75 लाख करोड़ के

एमओयू हो चुके हैं। वहीं, निवेशको को आमंत्रित करने के लिए सीएम भजनलाल शर्मा आज जर्मनी पहुंच गए हैं। वे अगले तीन दिन जर्मनी में जर्मन सरकार के मंत्रियों, अधिकारियों और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।सीएम जर्मनी के म्यूनिख शहर में इंवेस्टर्स मीट और टूरिज्म मीट को भी संबोधित करेंगे।

दिल्ली सीएम आतिशी ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात कई मायनों में महत्वपूर्ण थी, क्योंकि

आतिशी मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार पीएम मोदी से मिली हैं। इस मुलाकात को एक शिष्टाचार भेंट के रूप में देखा जा रहा है। दोनों नेताओं के बीच इस प्रकार की बैठकें अक्सर होती हैं, जहां वे अपने-अपने राज्यों और केंद्र सरकार के बीच सहयोग और समन्वय पर चर्चा कर सकते हैं।

केंद्रीय नेतृत्व को भेजेंगे चुनाव समिति की बैठक के सुझाव : वीडी शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में चुनाव समिति की बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि आज चुनाव समिति की बैठक हुई है और उम्मीदवारों के नामों को लेकर जो सुझाव आए हैं, उसकी रिपोर्ट बनाकर केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी। संगठन पर्व का दूसरा चरण चल रहा है, जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत व परिश्रम से मध्यप्रदेश में सदस्यता का नया इतिहास रचेगी। मध्यप्रदेश को विकसित मध्यप्रदेश बनाने की उड़ान जारी है, भाजपा प्रदेश को स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश की चुनाव समिति की बैठक संपन्न हुई है। इस बैठक में आगामी समय में होने वाले विजयपुर और बुधनी विधानसभा उपचुनावों को लेकर चर्चा की गई है। बैठक में समिति के सदस्यों ने कई सुझाव दिए हैं। बैठक में आए इन सभी सुझावों को पैनल बनाकर आज पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया जाएगा।

विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन महापर्व के अंतर्गत चल रहे सदस्यता अभियान के दूसरे चरण का समापन 15 अक्टूबर को है। इस अभियान में हम लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। अभी दो दिन शेष हैं और इन दो दिनों में भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश अपने कार्यकर्ताओं की मेहनत से सदस्यता अभियान में नया इतिहास रचने जा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि इसके उपरांत सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान शुरू होगा। पार्टी के सभी कार्यकर्ता और पूरा संगठन तंत्र प्रत्येक बूथ पर उतरकर सक्रिय सदस्य बनाने का काम शुरू करेंगे। सक्रिय सदस्यता के बाद 10 नवंबर से संगठन चुनाव की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में कार्यकर्ताओं से सतत् संपर्क एवं संवाद की पद्धति है। इसके अंतर्गत कार्यकर्ताओं से समय-समय पर चर्चा होती रहती है। आज भी कुछ सम्माननीय विधायकों के साथ आवश्यक चर्चा हुई है।

3 फ्लाइट-एक ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी, एअर इंडिया की उड़ान दिल्ली डायवर्ट

इंडिगो के 2 विमान की भी जांच

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से उड़ने वाली तीन फ्लाइट में सोमवार (14 अक्टूबर) को बम की धमकी दी गई। पहली फ्लाइट मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की है। सूचना मिलते ही विमान को दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। विमान फिलहाल दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा है। विमान में 239 पैसेंजर्स सवार हैं।

दूसरी फ्लाइट इंडिगो की 6ई-1275 है, यह मुंबई से मस्कट जाने वाली थी। तीसरी फ्लाइट इंडिगो की 6ई 56 है। यह मुंबई से जेद्दाह जाने वाली थी। इन दोनों विमानों को आइसोलेशन बे में रखकर जांच की जा रही है। सभी पैसेंजर्स को फिलहाल विमान से उतार दिया गया है। इधर, मुंबई-हावड़ा मेल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि जांच के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। पिछले 5 दिनों में फ्लाइट में बम की धमकी का यह दूसरा मामला है।

बहराइच हिंसा...प्रियंका गांधी बोलीं- सरकार तुरंत एक्शन ले

भाजपा ने बताया राजनीतिक साजिश, अजय राय ने कहा-योगी इस्तीफा देकर मठ में जाएं

बहराइच/वाराणसी/मुरादाबाद (एजेंसी)। बहराइच में आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल, शोरूम और दुकानों को आग लगा दी। दो समुदायों में पथराव-आगजनी के साथ 20 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। इसमें 22 साल के राम गोपाल मिश्रा की मौत हो गई।

कांग्रेस और सपा ने हिंसा को लेकर सरकार को घेरा। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी सरकार से हिंसा जल्द से जल्द रोकने की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा- योगी को इस्तीफा देकर मठ में चले जाएं। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने घटना को दुखद बताया है। सपा नेता एसटी हसन ने कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही।

शाहनवाज हुसैन बोले- राजनीतिक रोटी सेंक रहा विपक्ष- भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा- ये दुखद है कि दुर्गा पूजा विसर्जन पर लगातार पथराव हो रहा है, लेकिन योगी आदित्यनाथ और प्रशासन इसे काबू करने में जुटी है। सपा और कांग्रेस तो हमेशा से ऐसी घटनाओं पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने में जुटे रहते हैं, लेकिन देश की जनता बहकने वाली नहीं है।

त्योहारों में 4.25 लाख करोड़ के व्यापार से भारतीय अर्थव्यवस्था में उछाल

रक्षा बंधन से लेकर दिवाली तक के त्योहारी सीजन में देश के बाजार गुलजार

त्योहारी सीजन में लगभग 70 करोड़ ग्राहक बाजारों में खरीददारी करते , चीनी सामान का बहिष्कार!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े त्योहार दिवाली एवं उससे जुड़े अन्य त्योहारों की श्रृंखला से व्यापारी और उपभोक्ता, दोनों बेहद उत्साहित हैं। यही वजह है कि इस बार रक्षा बंधन से लेकर दिवाली तक के त्योहारी सीजन में देश के बाजार गुलजार हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और दिल्ली की चांदनी चौक सीट से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया, इस त्योहारी सीजन में लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। कैट द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के 70 शहरों, जिन्हें व्यापारिक वितरण केंद्र माना जाता है, में व्यापारी संगठनों के बीच कराए गए एक हालिया सर्वे की समीक्षा रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं।

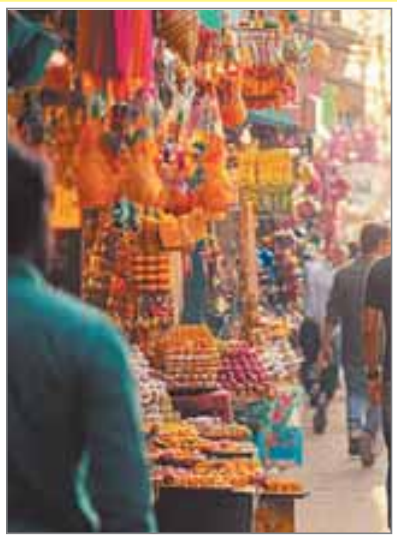

सांसद खंडेलवाल के मुताबिक, इस वर्ष देश भर में व्यापारियों ने बड़े पैमाने पर ग्राहकों की मांग एवं पसंद को पूरा करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। देश भर के बाजारों में इस बार रक्षा बंधन, गणेश पूजा, नवरात्रि, दुर्गा पूजा एवं दशहरे पर ग्राहकों द्वारा बड़ी खरीदारी की गई है। इसे देखते हुए त्योहारों के सीजन का व्यापार 4.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की प्रबल संभावना है। गत वर्ष यह आंकड़ा लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये के व्यापार का था। अकेले दिल्ली में ही यह त्योहारी व्यापार का आंकड़ा 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक जा सकता है। त्योहारों के सीजन के बाद शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा। इसमें भी देश भर के व्यापारी, बड़ा कारोबार होने की उम्मीद कर रहे हैं।

मौत की चाह लिए कुएं में कूदी महिला, 7 दिनों बाद निकली जिंदा

सांप- बिच्छू और छिपकली के साथ गुजारी रात

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले से एक चौंका देने वाली खबर सामने आई है। इस खबर को सुनकर हर कोई चर्चा कर रहा है कि देखिए भगवान की लीला। लोग आश्चर्य कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि ऐसा भला कैसे हो सकता है। ये असंभव है। ऐसा बिल्कुल नहीं हो सकता। जी हां, बिहार के सारण जिले के पानापुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में एक ऐसी घटना हुई है। जिसके बारे में लोग चर्चा कर रहे हैं। हुआ यूं कि सात दिन पहले एक महिला अपनी जान देने के लिए कुएं में कूद गई। उसके बाद सात दिनों बाद वो कुएं से सुरक्षित बाहर निकली है। जानकारी के मुताबिक बताया जा

रहा है कि महिला अपने घर से एक सप्ताह पहले लापता थी। इसी दौरान उसने मौत को गले लगाने के लिए एक पुराने कुएं को चुना। जिसमें सांप- बिच्छू और छिपकली के साथ जहरीले जानवर हो सकते हैं। महिला को जिंदा निकलने के बाद उसके परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। सात दिनों तक भूखी रहने के बाद महिला कमजोर हो गई है। सबसे बड़ी बात ये है कि सात दिन महिला के जहरीले जीवों के साथ बीते।

लोक सेवा, वंचितों की सेवा करने का सुअवसर : राज्यपाल

राज्यपाल से राजभवन में प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों ने की मुलाकात

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोकसेवा पात्र, जरूरतमंदों और गरीबों की सेवा करने का सुअवसर है। उन्होंने डिप्टी कलेक्टरों से कहा कि 'लोकसेवा' शब्द का अर्थ गहराई से समझें। जनता की सेवा के भाव को अपने मन में सदैव सबसे ऊपर रखें। सेवाकाल में ईमानदारी और निष्ठा से काम करने में ही जीवन की सार्थकता है।

राज्यपाल श्री पटेल नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय एकेडमी भोपाल में प्रशिक्षणाधीन राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अकादमी के महानिदेशक श्री जे.एन. कंसोटिया भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के ग़रीब कल्याण कार्यक्रमों को सफल बनाना लोक सेवकों की ज़िम्मेदारी है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराना उनका मूल कर्तव्य है। अपने सेवाकाल में हमेशा बड़े-बुजुर्गों, दिव्यांगों और वंचितों के प्रति सम्मान और आदर का भाव रखें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राज्य की सेवा करने के लिए प्रशासनिक तंत्र का अंग बनने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण से जुड़ी बातें, नियमों और अधिनियमों को बारीकी से

सीखें। प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, चुनौतियों के अनुरूप समाधान का दृष्टिकोण अपनाए। उन्होंने प्रशासनिक अकादमी भोपाल द्वारा अधिकारियों को स्वच्छ और संवेदनशील लोक-सेवक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए सभी प्रशिक्षणार्थियों को बधाई भी दी।

जनजाति समुदाय के साथ संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखें

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश जनजातीय बहुल राज्य है। प्रदेश के समग्र विकास के लिए जनजाति वर्ग का विकास बहुत जरूरी है। प्रशिक्षु अधिकारी जनजाति समुदाय के प्रति हमेशा सरल, संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार रखें। उनके साथ आत्मीय, सीधा और जीवंत सम्पर्क बनाए। उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करने में अपना योगदान दें।

महानिदेशक नरोन्हा एकेडमी, भोपाल श्री जे.एन. कंसोटिया ने स्वागत उद्बोधन में राज्यपाल श्री पटेल को प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी।

राज्यपाल श्री पटेल का संचालक प्रशासनिक अकादमी श्री मुजीबुर्रहमान खान ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रशिक्षु अधिकारी सुश्री प्रियंका भलावी और श्री आशुतोष महादेवसिंह ठाकुर ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। विधि भारद्वाज ने आभार माना। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को गौरंगी शर्मा ने भेंट की पेंटिंग

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यूनिसेफ इंडिया यूथ कंटेंट क्रिएटर गौरंगी शर्मा ने निवास कार्यालय में स्वयं के द्वारा बनाई हुई पेंटिंग भेंट की। यह पेंटिंग मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किशोरी बालिकाओं में माहवारी स्वास्थ्य व स्वच्छता प्रबंधन के लिए की जा रही पहल पर केंद्रित है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेनिटेशन हाईजीन अन्तर्गत माहवारी प्रबंधन में सुविधा व सहायता के लिए हाल ही में प्रदेश की 19 लाख स्कूली छात्राओं के खातों में 57 करोड़ 58 लाख रुपए अंतरित किए थे।

भोपाल में नव विवाहिता से ज्यादती

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वारदात को अंजाम दिया

भोपाल (नप्र)। भोपाल में ऐशबाग इलाके में रहने वाली नव विवाहिता के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। मोहल्ले में रहने वाले युवक ने वारदात को घर में घुसकर अंजाम दिया है।

आरोपी पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करता रहा। अब युवक महिला पर शादी का दबाव बनाने लगा। तब महिला ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि 19 वर्षीय महिला ऐशबाग इलाके में रहती है। 8 महीने पहले ही उसकी शादी हुई। इसी इलाके में सानिब खान नाम का युवक रहता है जो महिला के पति का दोस्त है। उसका घर में आना-जाना था तो महिला की भी उससे दोस्ती हो गई। इसी दौरान उसने कुछ वीडियो बनाए व फोटो खींच लिए।

महिला को अकेला देख ज्यादती की

8 अक्टूबर की रात महिला का घर में अकेली थी, उसका पति अपने मां के घर गया हुआ था। इसी दौरान रात तीन बजे युवक महिला के घर पहुंच गया। वीडियो भेजने की धमकी देने लगा। महिला डर गई तो युवक ने घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म किया।

पति से विवाद के बाद मायके में रहने लगी पीड़िता

पत्नी और आरोपी के बीच संबंधों की बात जब पति को पता चली तो घर में दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद महिला अपने मायके में आकर रहने लगी। युवक जब महिला पर फिर से शादी करने का दबाव बनाने लगा तो महिला ने मामले की शिकायत थाने में कर दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

भोपाल में जाली नोट बनाने वाले दो जालसाज गिरफ्तार

9.60 लाख रुपए के खर्च में 85 लाख रुपए तैयार करने का झांसा देकर 5.60 लाख ठगे

भोपाल (नप्र)। क्राइम ब्रांच भोपाल ने जाली नोट बनाने वाले दो शातिर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। उनका एक साथी फरार है। आरोपियों ने एक व्यक्ति से 5.60 लाख रुपए की ठगी की है। उन्होंने झांसा दिया था कि 9.60 लाख रुपए के खर्च में 85 लाख रुपए के नोट तैयार कर देंगे। वारदात 15 दिन पुरानी है। शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नोट बनाने का सामान भी बरामद किया है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि ठगी के संबंध में राजकुमार मेहरा (35) निवासी बैरसिया रोड ईंट खेड़ी ने शिकायत की। फरियादी राजकुमार ने शिकायत में बताया कि कार चालक उस्मान खान उसका परिचित है। 15 दिन पहले वह मिला और बोला कि मुझे कुछ लोग मिले हैं जो विश्वकर्मा नगर में रहते हैं। वह कांच की प्लेट व केमिकल से नोट बनाते हैं। कागज के एक बंडल 2.60 लाख रुपए और स्याही 7 लाख रुपए में आती है, जिससे 85 लाख रुपए के (100 और 500) असली जैसे दिखने वाले नोट तैयार होते हैं। इससे मैं उस्मान की बातों में आ गया। वह मुझे आरोपियों से मिलाने भोपाल मेमोरियल अस्पताल के पास ले गया। आरोपी मुझे यहां पास में स्थित अपने फ्लैट में लेकर पहुंचे और सामने ही नोट बनाकर दिखाए।

लौटने पर आरोपियों ने 2.60 लाख रुपए मांगे

फरियादी जैसे ही आरोपियों के फ्लैट पर लौटा तो आरोपियों ने तत्काल 2.60 लाख रुपए की मांग की। बताया कि कागज और अन्य सामान लाना होगा। फरियादी ने उन्हें इंतजाम कर दो दिन में यह रकम दे दी। इसके बाद आरोपियों ने स्याही के नाम पर 7 लाख रुपए मांगे, फरियादी ने मोहलत मांगी, दो बार में तीन लाख रुपए और आरोपियों को दे दिए। इस प्रकार कुल 5.60 हजार रुपए आरोपियों ने हड़प लिए। इसके बाद आरोपियों ने कॉल उठाना बंद कर दिया। फ्लैट में भी ताला लगा दिया। तब मामले की शिकायत की गई।

भोपाल में तेलंगाना के युवक से ब्लैकमेलिंग

महिला ने 5.35 लाख रुपए ठगे, 5 लाख और मांगे, नहीं देने पर रेप केस में फंसाया

भोपाल (नप्र)। भोपाल में तेलंगाना के रहने वाले युवक को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। सूखी सेवनिया पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर महिला के खिलाफ ब्लैकमेल करने, अपशब्द कहने, हत्या की धमकी देने की एफआईआर दर्ज की है। आरोपी महिला रेप के केस में फंसाने की धमकी देकर फरियादी से 5.35 लाख रुपए ऐंठ चुकी है। पांच लाख रुपए और देने की मांग कर रही थी। नहीं देने पर थाना छोला मंदिर में रेप का केस दर्ज करा चुकी है।

फरियादी ने कोर्ट में ब्लैकमेलिंग की प्राइवेट कम्प्लेंट फाइल की थी। कोर्ट ने इस मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच के बाद सूखी सेवनिया पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दी है।

युवक ने पुलिस को क्या बताया

सूखी सेवनिया पुलिस के मुताबिक 27 वर्षीय युवक मूलतः तेलंगाना का रहने वाला है। भोपाल की सूखी सेवनिया स्थित कॉलोनी में रहता है। उनकी ओर से 32 वर्षीय महिला के खिलाफ कोर्ट में प्राइवेट कम्प्लेंट फाइल की गई थी। कम्प्लेंट के अनुसार आरोपी महिला उन्हीं के ऑफिस में पूर्व में संविदा कर्मी रही हैं। यहां दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी।

दोनों एक बार मूवी देखने गए थे। 1 जनवरी 2020 को दोनों भोजपुर मंदिर घूमने गए। यहां युवती ने उसे शादी के लिए प्रपोज किया। उसने हां कर दी, इस समय तक उसे इस बात की जानकारी नहीं थी कि युवती पहले से शादी शुदा है। कुछ समय बाद वह उसके घर मिलने पहुंचा। जहां पता लगा कि प्रेमिका पहले से शादीशुदा है। उसका एक बच्चा भी है।

शादी की जानकारी मिलते ही विवाद होने लगे

युवक ने प्रेमिका द्वारा पहले से शादीशुदा होने की जानकारी मिलते ही बातचीत कम कर दी। इससे

दोनों के बीच विवाद होने लगे। तब लड़की ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया। बात नहीं मानने पर जान से मारने की धमकी दी। करियर बर्बाद करने की धमकी दी। डरा धमकाकर कई बार में 5.35 लाख रुपए ऐंठ लिए। रकम को ऑन लाइन ट्रांसफर किया गया था। वॉट्सऐप के धमकी भरे मैसेज और ऑन लाइन रकम ट्रांसफर करने के प्रमाण फरियादी की ओर से दिए गए। जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली।

फरियादी पर दर्ज कराया रेप का केस

युवती ने 5.35 लाख रुपए लेने के बाद पांच लाख रुपए और देने का दबाव फरियादी पर डाला। रकम नहीं मिलने पर रेप के केस में फंसाने की धमकी दी, इसी के साथ पर्सनल फोटो वायरल करने की भी धमकी दी। फरियादी ने रकम नहीं होने और सैलरी आने के बाद रकम देने की बात कही। इस पर आरोपी ने उसे वॉट्सऐप पर अपशब्द कहे। कुछ दिन बाद थाना छोला मंदिर में उसके खिलाफ रेप का केस दर्ज करा दिया।

झूठी शिकायत के प्रमाण दिए

महिला ने इसी साल मई महीने में ब्लैकमेलिंग केस के फरियादी युवक पर रेप का केस दर्ज कराया। उसने एफआईआर में एक परिचित की शादी में कोल्ड्रिंक में नशा देने के बाद युवक पर रूम में ज्यादती करने का आरोप लगाया। फरियादी की ओर से कोर्ट में प्रमाण पेश किए गए कि एफआईआर दिनांक से दस दिन पहले वह तेलंगाना स्थित अपने जिले में था। इसके प्रमाण फरियादी की ओर से दिए गए थे।

थाना प्रभारी ने क्या बताया

छोला मंदिर थाने के प्रभारी सुरेश चंद्र नागर ने बताया कि 32 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर मई महीने में 27 साल के आरोपी पर एफआईआर दर्ज की थी। हमारे केस का आरोपी सूखी सेवनिया इलाके में रहता था। उसकी गिरफ्तारी कर जेल भेजा था। मामले में चालान भी पेश किया जा चुका है।

पीड़ित के वकील बोले यह कार्रवाई समाज में नजीर बनेगी

पीड़ित युवक के वकील यावर खान ने बताया कि इस मामले की समाज में एक नज़ीर बनेगी, वास्तविक महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अत्याचार पर आरोपी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जो लोग इस महिला क़ानून का कामर्शियल तौर पर दुरुपयोग कर रहे हैं, ऐसे लोगों पर एक्सटार्शन की एफआईआर कोर्ट के निर्देश पर दर्ज की गई है। यह ऐतिहासिक मामला है।

10 दिन की मोहलत आज खत्म, फिर प्रशासन तोड़ेगा अतिक्रमण

भोपाल मेट्रो के दूसरे फेज में टूटेंगी पक्की दुकानें; फिर शुरू होगा काम

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो के दूसरे फेज में आड़े आ रही पक्की दुकानों को तोड़ने की दी गई 10 दिन की मोहलत कल (मंगलवार) को खत्म हो जाएगी, लेकिन अब तक दुकानें नहीं तोड़ी गई है। इसके चलते इन्हें प्रशासन तोड़ेगा। बुधवार से एक बार फिर कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

बता दें कि मेट्रो का दूसरा फेज सुभाष नगर डिपो से करोंद तक कुल 8.77 किमी है। यह काम भी दो हिस्से में होगा। दोनों पर कुल 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मिट्टी की टेस्टिंग, डिजाइन समेत अन्य काम हो चुके हैं। अब अतिक्रमण हटाने पर फोकस है। ताकि, सिविल के काम जल्दी शुरू हो सकें। पिछले सप्ताह पुल बोगदा और आजाद नगर में कुछ अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन पक्की दुकानों को हटाने के लिए 10 दिन की मोहलत दी गई थी। लोगों ने खुद अपनी दुकानें हटाने की सहमति दी थी, पर उन्होंने सोमवार तक नहीं हटाई। इसलिए अब प्रशासन कार्रवाई करेगा।

आरा मशीनें भी हटेंगी

पुल बोगदा के पास के 108 आरा मशीन और फर्नीचार कारोबारी है। इन्हें रातीबड़ में बसाया जाएगा। वहां पानी, बिजली, सड़क जैसी अन्य सुविधाओं के लिए 6 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इन आरा मशीनों को भी जल्द हटाया जाएगा।

फेज-1- 650 करोड़ में 6 स्टेशन बनेंगे

सुभाष नगर डिपो से करोंद तक कुल 8.77 किमी में से 5.38 किमी हिस्से में 6 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें 650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस काम की शुरुआत हो चुकी है। पुराने शहर में बैरिकेडिंग की गई है। कुछ दिन पहले मंत्री विश्वास सारंग ने रूट का निरीक्षण कर जल्द काम करने को कहा था। वहीं, मेट्रो कॉर्पोरेशन के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने भी निरीक्षण किया था।

फेज-2 : 3.39 किमी रूट अंडरग्राउंड

8.77 किमी के रूट में 3.39 किलोमीटर रूट अंडरग्राउंड होगा। इसमें 2 मेट्रो स्टेशन भोपाल रेलवे स्टेशन व नादरा बस स्टैंड भी रहेंगे। यह पूरा काम 890 करोड़ रुपए में होगा। इस रूट में आरा मशीनें समेत अतिक्रमण है। इन्हें हटाने के लिए कई महीने से प्रयास किए जा रहे थे। आखिरकार शनिवार से इसकी शुरुआत हो गई है।

सुभाषनगर से एम्स के बीच ये काम चल रहे

सुभाषनगर से एम्स के बीच दो स्टील ब्रिज का काम पूरा हो गया है। 4 सितंबर को 3 घंटे के अंदर रेलवे ट्रैक पर पिलर के ऊपर 65 मीटर लंबा और 400 टन वजनी ब्रिज का स्ट्रक्चर रख दिया गया था। वहीं, हाल ही में दूसरे कंपोजिट ब्रिज का काम भी पूरा हो गया है। बता दें कि (रानी कमलापति) रेलवे स्टेशन के पास हबीबगंज नाके से डीआरएम स्टेशन के बीच 2 स्टील ब्रिज से मेट्रो गुजरेगी। इसके लिए पिछले 8 महीने से काम चल रहा है।

भेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को टेकओवर करेगा खेल विभाग

भोपाल में 175 एकड़ में फैला, मंत्री सारंग बोले- प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के भेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को मध्यप्रदेश का खेल विभाग टेकओवर करेगा। यह 175 एकड़ में फैला है। सोमवार को खेल मंत्री विश्वास सारंग कॉम्प्लेक्स में पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ये स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खेल विभाग के अंतर्गत आ जाए, इसलिए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेंगे। फिर इसे संवारा जाएगा।

मंत्री सारंग ने बताया- इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 33 एकड़ में गोल्फ के साथ एथलेटिक्स, क्रिकेट, टेनिस, बैडमिंटन के भी ग्राउंड भी है। इतने बड़े और बीच में यह खिलाड़ियों के लिए उपयोगी है। उन्हें गोल्फ, क्रिकेट समेत अन्य खेलों की प्रैक्टिस करने में

सुविधा होगी। शहर के हजारों खिलाड़ियों को यह सौगात मिलेगी। इसलिए खेल विभाग प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेज रहा है। मंत्री विश्वास सारंग ने भेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह भी मौजूद थे।

देख-रेख की कमी, फायदा नहीं मिल रहा- अभी यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भेल के अधीन है, लेकिन देखरेख के आभाव में इसका फायदा खिलाड़ियों को नहीं मिल पा रहा है। मंत्री सारंग ने कहा, यदि यह मप्र खेल विभाग के अधीन आ जाएगा तो इसका जीर्णोद्धार कर सकेंगे। ताकि, युवाओं का भविष्य निखर सके।

कलेक्टर, खेल विभाग के अधिकारी मौजूद रहे- मंत्री सारंग ने पूरे कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। उनके साथ कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह समेत खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री सारंग ने अफसरों को जल्द प्रस्ताव बनाने और फिर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए।

कलेक्टरों से रूबरू हुए सीएस अनुराग जैन

लॉ एंड ऑर्डर पर फोकस के निर्देश, खाद-बीज की कमी न हो, टाइम पर पूरे हों काम

भोपाल (नप्र)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सोमवार को प्रदेश के सभी कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग की। फील्ड के अफसरों के साथ हुई इस पहली बैठक में मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को साफ किया कि उनकी प्राथमिकता समय सीमा वाले कामों में देरी नहीं होने की है। कलेक्टर और एसपी जिलों में लॉ एंड ऑर्डर पर फोकस रखें और रबी सीजन में खाद-बीज की कमी की स्थिति न बनने दें। इसके साथ ही निर्माण कार्यों की समय सीमा और गुणवत्ता को ध्यान में रखा जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आधे घंटे से अधिक समय तक चली इस बैठक में मुख्य सचिव जैन ने कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों से सीधी बात की। बैठक में

पूर्णिमा पर दतिया जिले के रतनगढ़ में लगने वाले मेले की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखकर काम करने के निर्देश भी सीएस जैन ने दिए। इस दौरान उन्हें बताया गया कि दो साल पहले बाढ़ में बहा रतनगढ़ पुल अब शुरू हो गया है। इससे पहले से दिक्कतें कम हो गई हैं। मुख्य सचिव ने पुलिस और प्रशासन के अफसरों से विभागीय कामकाज की रिपोर्ट भी ली है।

बालाघाट से बैठक में शामिल हुए डीजीपी- इस वीसी बैठक में सभी आईजी और रेंज में पदस्थ एडीजी भी शामिल हुए। डीजीपी सुधीर सक्सेना भी बैठक में शामिल हुए। सक्सेना बालाघाट रेंज के दौरे पर हैं। इसलिए सोमवार को हुई सीएस की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग में डीजीपी सक्सेना बालाघाट एनआईसी से बैठक में शामिल हुए और पुलिस की रिपोर्ट बताई।

यह हैं नए मुख्य सचिव की प्राथमिकताएं

- जो भी छोटे बड़े प्रोजेक्ट आन वर्किंग हैं उनके निर्माण कार्य तय समय पर हों।
- जिस योजना के लिए और जिस काम की जो टाइम लाइन तय है, उसी के आधार पर समय सीमा में काम हो।
- नवरात्र पर्व बीत गया है और अब दीपावली की तैयारी शुरू हो गई है। इसलिए लॉ एंड आर्डर पर कलेक्टर, एसपी फोकस करेंगे।
- दीपावली के लिए पटाखा की दुकानों के लाइसेंस ठीक से चेक करें। किसी तरह की गड़बड़ी और लापरवाही नहीं होनी चाहिए।
- मौसमी बीमारी डेंगू, चिकनगुनिया के मरीज बढ़ रहे हैं। इन रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक उपचार किए जाएं।
- फसलों का उपार्जन का काम समय पर हो। सरकार ने जो व्यवस्था तय की है, उसके आधार पर सोयाबीन और धान का उपार्जन किया जाए।
- कुछ जिलों में डीएपी खाद की दिक्कत सामने आई है। अधिकारी जिलों में खाद-बीज की कमी न होने देने और किसी तरह की अप्रिय स्थिति नहीं बनने देने पर फोकस कर काम करें।

संपादकीय

इंटर्नशिप : रिकॉर्ड आवेदन के मायने

मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम इंटर्नशिप योजना में निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा आवेदन का अर्थ यही है कि देश में कितनी ज्यादा बेरोजगारी है। इस योजना में अब तक 1.55 लाख से ज्यादा पंजीयन हो चुके हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए लिए आवेदन 12 अक्टूबर से शुरू हुए थे। आवेदन की विंडो खुलने के बाद पहले ही दिन आवेदकों की संख्या 1.55 से ज्यादा पहुंच गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रविवार को पोर्टल पर पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या 1,55,109 हो गई थी। योजना के पायलट प्रोजेक्ट के लिए 1.25 लाख उम्मीदवारों का ही लक्ष्य रखा गया था। योजना की सफलता को देखते हुए इसे आगे भी जारी रखा जाएगा। इस योजना में आवेदन के लिए जो शर्तें रखी गई थीं, उनमें आवेदक की उम्र 21-24 वर्ष होनी चाहिए। पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत इंटर्नशिप 2 दिसंबर से शुरू होगी। इस योजना के तहत, एक इंटर्न को 12 महीने के लिए 5,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता और 6,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा। रजिस्ट्रेशन निःशुल्क है। इस योजना के अंतर्गत तेल, गैस और ऊर्जा, यात्रा और आतिथ्य तथा ऑटोमोटिव सहित 24 क्षेत्रों में 80 हजार से अधिक अवसर जोड़े गए हैं। सरकार के मुताबिक पोर्टल आधार-आधारित पंजीकरण और बायोडाटा जनरेशन जैसे उपकरणों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप तक कुशल पहुंच सुनिश्चित करता है। योजना के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआती लागत 800 करोड़ रुपये आंकी गई। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा केंद्रीय बजट 2024 में घोषित इस योजना का उद्देश्य 12 महीनों के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान करना है। वित्त मंत्री ने कहा था कि इस योजना के तहत, 1 करोड़ युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के लिए टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। रजिस्ट्रेशन के लिए यह पोर्टल 3 अक्टूबर को खुला था। अच्छी बात यह है कि मात्र 10 दिन में 193 टॉप कंपनियों ने 90,800 से अधिक इंटर्नशिप के अवसर पेश किए हैं। इसमें जुबिलिएंट फूडवर्क्स, मारुति सुजुकी इंडिया, आयशर मोटर, लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड, मुथूट फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज उन 193 कंपनियों में शामिल हैं जिन्होंने इंटर्नशिप ऑफर की है। सरकार की इस योजना के पीछे उद्देश्य कुल मानव संसाधन तैयार करना है। उम्मीद है कि अच्छे इंटर्न्स को सम्बंधित कंपनियां अपने यहां रोजगार दे सकती हैं तो बाकी दूसरे अपना खुद का काम भी शुरू कर सकते हैं। कौशल विकास सरकार की प्राथमिकता में रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि देश में जिस तेजी से बेरोजगारी बढ़ रही है, उसके मुकाबले ऐसी तमाम योजनाएं ऊंट के मुंह में जीरे के समान ही हैं। बेरोजगारी हाल के लोकसभा चुनाव में बड़ा मुद्दा बना था। युवा चाहते हैं कि सरकार खुद बड़े पैमाने पर भर्ती करे, जोकि नहीं हो पा रहा है। अभी भी भारत में यह मानसिकता आम है कि सरकारी नौकरी आर्थिक सुरक्षा की गारंटी है। अव्वल तो सरकारी उपक्रमों में भर्तियां बहुत कम हो रही हैं, जो हो रही हैं, उनमें दस तरह के बवाल हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार की भी अपनी सीमाएं हैं। देश में आर्थिक प्रगति भले तेजी से हो रही हो, लेकिन धन संसाधन के वितरण में विषमता लगातार बढ़ती जा रही है। उचित रोजगार के अभाव में युवा गलत रास्तों पर जा रहे हैं। आज देश में करीब 10 करोड़ से ज्यादा युवाओं के पास कोई काम नहीं है। यह संख्या दुनिया के कई देशों की आबादी से अधिक है। इतने लोगों के पास काम न होना अपने आप में चिंताजनक स्थिति है।

नजरिया

जयप्रकाश नारायण

देश के मूर्धन्य नेता, स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी स्व. जयप्रकाश नारायण का यह विचारपूर्ण लेख का पुनर्पाठ।

क्या दलीय लोकतंत्र से आगे कोई रास्ता नहीं है?

पिछली सदियों में राजनीति के विकास ने मानव समाज को जहां पहुंचा दिया है, वहां हम मानने लगे हैं कि अब उससे आगे कोई रास्ता नहीं है। मैं मानता हूं कि आज की मौजूदा शासन-व्यवस्था और उसके दावों के संबंध में हमें गंभीरता से सोचना चाहिये तथा उन दोषों को दूर करने के उपाय ढूंढने चाहिये। दलबंदी के झगड़े, सैद्धान्तिक ध्रुवीकरण के बदले स्वार्थ की खींचातानी, सिद्धांतों को किनारे रखकर व्यक्तिगत या निहित स्वार्थों के लिये होने वाले दल-बदल, दलों की अंदरूनी अनुशासनहीनता, अवसरवादी गठबंधन, दलों, प्रतिनिधियों और प्रधानों का स्वेच्छाचार, पैसों का बेहिसाब खर्च, घूसखोरी, यह सब तो सहज ही हमारी नजरों के सामने आता रहता है। हमें अधिक गहरायी में जाना चाहिये।

क्या देश और दुनिया में स्थापित दलीय लोकतंत्र ही सर्वोतम लोकतंत्र है? उसके आगे का कोई मार्ग नहीं? अनुभव यह आया है कि दलीय लोकतंत्र मात्र दलतंत्र बन जाता है। दल भी गुटों में विभाजित होते हैं। अतः लोकतंत्र के स्थान पर 'गुटतंत्र' ही चलता है। उस पर भी नौकरशाही हावी हो जाती है। फिर वह जनता के नाम पर अपनी हुकूमत चलाती है। आज के लोकतंत्र में असली 'लोक' का तो कहीं अता-पता नहीं है। इसलिए दुनिया भर के विचारकों में दलगत लोकतंत्र के विषय में विचार-मंथन चल रहा है।

यह कैसा बहुमत है?

संसदीय लोकतंत्र के कई रूप हैं, जिनमें से एक इस देश में चल रहा है। यह लोकतांत्रिक ढांचा चुनाव प्रथा तथा मताधिकार पर आधारित है। मताधिकार का विचार एक जमाने में बड़ा क्रांतिकारी विचार था, लेकिन हम देख रहे हैं कि उससे सारा समाज कोई बहुत आगे नहीं बढ़ पाया। फिर भी वह कोई निकम्मी चीज है, ऐसी बात नहीं है, लेकिन जब हम आगे जाने की सोचते हैं, तब हमें जरूर देखना और समझना चाहिये कि वोट ही काफी नहीं है।

मतदाता सब कुछ सोच-समझकर मतदान करे, ऐसी स्थिति न तो यहां है और न दुनिया में ही कहीं है। फिर भी हम मानते हैं कि हमारे वोट पर बड़ा संसदीय लोकतंत्र बहुत अच्छी तरह चल रहा है। राज चलाने वाले मानते हैं कि वयस्कों को वोट का अधिकार दे दिया तो आदर्श राज्य-व्यवस्था हो गयी।

हम आज जिसे बहुमत का राज कहते हैं, अगर सचमुच देखा जाय तो वह भी क्या बहुमत का राज होता है? संसद में किसी पार्टी को ज्यादा स्थान मिल जाते हैं, लेकिन फिर भी देश के कुल मतदाताओं का बहुमत उनके पीछे नहीं होता। वोट एक पक्ष को ज्यादा और सीट दूसरे पक्ष को ज्यादा, ऐसा कई जगह, कई बार देखने को मिलता है। इस तरह देखा जाये तो अगर किसी एक पार्टी को 35 प्रतिशत ही मत मिले, परंतु संसद में सीटें ज्यादा मिलीं, तो सरकार उसी पार्टी की बनेगी।

जितने मतदाता होते हैं, वे सब-के-सब मत देने तो कभी नहीं आते। औसतन 50-60 प्रतिशत में से भी वास्तव में 20-25 प्रतिशत लोगों ने ही जिस पार्टी को वोट दिया है, आज के जनतंत्र में उसी पार्टी का राज होगा। तब भी माना यह जाता है कि यह जनतंत्र, यानी बहुमत का राज है, यद्यपि व्यवहार में अल्पमत का ही राज चलता है। चुनाव को हमने लोकतंत्र का मुख्य साधन तो बनाया, लेकिन किसी गरीब के लिये यह असंभव हो गया है कि वह चुनाव में स्वयं खड़ा हो सके या गरीब लोग मिलकर ही उसे खड़ा कर सकें। ऊपर से खड़े किये गये उम्मीदवारों में से जो जीतते हैं, वे ही जनता के प्रतिनिधि माने जाते हैं।

मौजूदा लोकतंत्र के ऐसे कई बड़े और महत्वपूर्ण दोष हैं। वास्तव में जरा बारीकी से देखें तो आज न जनता का राज है, न ही बहुमत का राज है। वस्तुतः अंत में चंद लोगों के हाथ में ही सता का केन्द्रीकरण हो जाता है और फिर वह अफसरों का ही राज बन जाता है। इस तरह, अभी सही मायने में जनता का राज तो कोसों दूर है। 'आज तक जिस रास्ते चलते आये हैं, उसी रास्ते पर आंख मूंदकर चलते रहो' - यह सोचने का कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं है। इससे तो जनता का राज कभी आने वाला नहीं है।

जनता का राज कैसे?

जनता का राज लाना है तो नीचे से ही स्वराज्य का विकास करना होगा। छोटे-छोटे समुदायों को भीतर से ही अधिक-से-अधिक अधिकार और शक्ति प्राप्त हो और कम-से-कम अधिकार ऊपरवालों के पास रहें। उतने ही, जिनते अनिवार्य हों। जीवन के मुख्य सवालों का हल इन छोटे समुदायों के बीच ही, उनके अपने ढंग से हो। जनता जैसे-जैसे अपना काम संभालती जायेगी, वैसे-वैसे जनता का राज आयेगा। लोकतांत्रिक दृष्टि से विचार करने पर मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि तंत्र जितना हल्का और सरल होगा उतनी ही लोकशाही सरल और सफल सिद्ध होगी-यदि तंत्र बोझिल और जटिल होगा तो लोकशाही भी उतने अंशों में निष्फल सिद्ध होगी।

जहां केन्द्रित संचालन आया, वहां जनता का संचालन मर गया समझिये। जनता के द्वारा संचालन कराना हो तो वह विकेन्द्रित तरीके से ही संभव होगा और मैं ऐसा मानता हूं कि लोकशाही का बचाव भी इसी में है। यदि हमें आज के औपचारिक लोकतंत्र से संतोष न हो, यदि इस 'पार्टिसिपेटिव डैमोक्रेसी' - जिसमें खुद जनता भाग लेती है ऐसा लोकतंत्र चाहते हो तो गांधीजी के ग्रामराज की तरफ ध्यान देना ही पड़ेगा। हमारा लोकतंत्र बहुत संकुचित आधार पर टिका हुआ है। हमें लोकतंत्र की नयी बुनियाद, नयी आधारशिला रखनी होगी।

प्रक्रिया के संकेत

उदाहरण के तौर पर विधानसभा के चुनाव के लिए एक निर्वाचन क्षेत्र है। उसमें 100 गांव हैं, उनका लोकशिक्षण करना होगा, लोगों को समझाना पड़ेगा कि चुनाव में आप स्वयं अपना उम्मीदवार खड़ा करें, गांवों में कुछ सक्रियता आये, शक्ति आये, जागृति आये और मिल-जुलकर काम करने का कुछ अभ्यास हो, तो यह हो सकेगा।

इसकी पद्धति के बारे में थोड़ा-बहुत विचार किया जा सकता है। पहले तो हर एक गांव निर्वाचन-क्षेत्र की जनसंख्या के अनुसार अपने एक-दो या तीन-चार आदमी पसंद करेगा। यदि गांव छोटी-छोटी इकाइयों में, जिन्हें हम ग्रामसभा कह सकते हैं, विकेन्द्रित रूप से यह करे तो उचित होगा। यदि ग्रामसभा छोटी है तो वह एक आदमी को पसंद करेगी और यदि कोई बड़ा गांव होगा तो वह चार-पांच लोगों को पसंद करेगा। इस तरह 100 गांवों में से औसतन तीन के हिसाब से लगभग 300 लोगों को गांव वालों ने पसंद किया। ये लोग किसी दल के नहीं, बल्कि ग्रामसभाओं द्वारा पसंद किये गये प्रतिनिधि होंगे।

इन सभी प्रतिनिधियों का एक 'ग्रामसभा-प्रतिनिधि मण्डल' बनेगा। वे सब मिलकर अपने में से एक व्यक्ति को उस मतदान क्षेत्र के उम्मीदवार के रूप में पसंद करेंगे। पसंदगी की पद्धति भी उन्हें समझायेंगे। कहेंगे कि सर्व-सम्मति से किसी एक को ही पसंद करें और यदि संभव न हो तो 'एलिमिनेशन' की प्रक्रिया से पसंद करें। उदाहरण के तौर पर 4-5 उम्मीदवार खड़े हों, तो तीन-चार बार मतदान कराकर जिसे सबसे कम मत मिले उसे एक-के-बाद-एक निकालते जायें, अंत में जो एक रहे उसे ही उम्मीदवार के रूप में पसंद हुआ समझें।

इस तरह जो उम्मीदवार खड़ा होगा वह वस्तुतः जनता का उम्मीदवार होगा। यदि ग्रामसभाएं जागृत होंगी तो स्पष्ट है कि मत उनके द्वारा खड़े किये गये उम्मीदवार को ही मिलेंगे और वही चुना जायेगा। इसमें दल का उम्मीदवार हो या जनता का, मात्र इतना ही भेद नहीं है, बल्कि मूल बात यह है कि आज तो जनता मिलकर, साथ बैठकर विचार ही नहीं करती। अगर समुदाय, कम्युनिटी सक्रिय होती है तो वह जहां तक संभव होगा, सर्वानुमति से काम करेगी।

दलमुक्त लोकतंत्र

इस तरह जो ग्रामसभाओं द्वारा खड़े किये गये उम्मीदवारों में से चुनकर आये होंगे, वे किसी दल के नहीं, बल्कि सीधे जनता के प्रतिनिधि बनकर आये होंगे। इन दलमुक्त सदस्यों द्वारा दलमुक्त लोकतंत्र की शुरूआत होगी। फिर वे सब मिलकर एक नेता चुनेंगे, जो योग्य व्यक्तियों का एक मंत्रिमण्डल बनायेगा। उसमें फिर एक सत्ताधारी पक्ष और दूसरा विरोधी पक्ष, ऐसा नहीं होगा। विधानसभा के सब सदस्य साथ मिलकर शासन चलायेंगे। प्रशासन-व्यवस्था भी अलग-अलग विभागों के अनुसार की जा सकती है। विधानसभा के सभी सदस्यों को अलग-अलग समितियों में बांट दिया जाये और हर एक समिति को एक-एक विभाग सौंपा जाये। इन समितियों के माध्यम से शासन चलेगा। तब फिर आज जैसी दलीय खींचतान नहीं होगी और न विधानसभा के सदस्य एक दूसरे पक्ष को नीचे गिराने की कोशिश में ही लगे रहेंगे। जनता का हित साधना है। जो भूलें होंगी उनको सुधारना है, यह दृष्टि होगी। इस तरह एक नयी प्रकार की लोकसत्ता का उदय होगा।

आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसा कोई क्रांतिकारी कदम उठाया जाये, सारी दुनिया ऐसा चाहती है। आज की प्रातिनिधिक लोकतंत्र से किसी को संतोष नहीं। दुनिया भर के प्रगतिशील विचारक आज प्रत्यक्ष और सहभागी लोकशाही का समर्थन करते हैं। यह काम कोई पुरानी लीक पीटने का काम नहीं है, बल्कि दुनिया की जो सबसे आगे बहने वाली धारा है, उसके साथ-साथ यह विचार है। (सप्रेस)

विश्व नीति

डॉ. आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

क्यों नहीं थम रहे पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हमले

पाकिस्तान में बीते रविवार को कराची हवाई अड्डे के पास आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिक मारे गए और कम से कम 10 लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। विस्फोट सिंध प्रांत में बिजली परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले पर निशाना साध कर हुआ था। पृथकतावादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं में शामिल चीनी नागरिकों पर बार-बार हमले किए हैं, ने सार्वजनिक घोषणा करके कहा है कि उसके संगठन ने ही हमला किया है। इसने कहा कि उसने कराची हवाई अड्डे से आ रहे 'चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के एक काफिले' को 'निशाना बनाया'। यह हमला उस वक्त हुआ है जब पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इसमें भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी भाग लेना है। यह भी याद रखा जाए कि चीनियों पर हमला उस वक्त हुआ है जब वहां इंग्लैंड की क्रिकेट टीम टेस्ट मैच खेल रही है।

जाहिर है, आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान का यह दावा तार-तार हो गया है कि वहां हालात सामान्य हैं।

दरअसल पाकिस्तान में चीन के सहयोग से बन रही बहुत सारी विद्युत और अन्य विकास परियोजनाओं में काम करने वाले चीनी इंजीनियरों पर लगातार हो रहे हमले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कुछ महीने पहले पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक जलविद्युत परियोजना पर आत्मघाती हमला हुआ था, जिसमें पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई। इसके बाद चीनी कंपनियों ने कम से कम तीन महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजनाओं पर अपना काम रोक दिया है। ये परियोजनाए हैं- दासू बांध, डायमर-बाशा बांध और तारबेला पांचवां एक्सटेंशन। चीनियों पर हमले सिर्फ खैबर पख्तूनख्वा में ही नहीं हो रहे हैं। चीनियों पर हमले बलूचिस्तान और सिंध में भी हो रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सटे हुए अफगानिस्तान से। पाकिस्तान के मीडिया में छपी खबरों पर यकीन करें तो इस साल के पहले तीन महीनों में देश के दो प्रमुख राज्यों क्रमशः खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बीते साल की इसी अवधि की तुलना में आतंकी और हिंसक वारदातों में 92 और 86 फीसद बढ़ोतरी हुई है।

कराची में धमाके पर चीनी दूतावास ने कहा कि उनके इंजीनियर चीनी-वित्तपोषित उद्यम पोर्ट क़ासिम पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड का हिस्सा थे, जिसका लक्ष्य कराची के पास पोर्ट क़ासिम में दो कोयला ऊर्जा संयंत्र बनाना थे। पाकिस्तान में हज़ारों चीनी नागरिक विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे हैं, उनमें से कई बीजिंग की अरबों डॉलर की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में दोनों देशों के बीच एक आर्थिक गलियारा बनाने में शामिल हैं।

बीएलए का दावा है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा हैं, पर स्थानीय लोगों को कुछ नहीं मिल रहा है।

कराची में विस्फोट के बाद पाकिस्तान ने रस्मी अंदाज में कह दिया कि पाकिस्तान सरकार चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। खबरों के मुताबिक, विस्फोट होते ही कराची के बहुत बड़े भाग के आसमान में घना धुआं छा गया। सारे कराची में दहशत का माहौल व्याप्त है।

पाकिस्तान से आने वाली खबरों से संकेत मिल रहे हैं कि कुछ चीनी नागरिक अपनी जान को खतरा होने के कारण पाकिस्तान छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार बार-बार अपराधियों को पकड़ने का वादा कर रही है। चीन भी अपने नागरिकों की पुख्ता सुरक्षा की मांग कर रहा है। हालांकि चीनियों पर हमले थम नहीं रहे हैं। चीनी नागरिकों पर हो रहे हमलों के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और इस्लामिक स्टेट-खुरासान को जिम्मेदार माना जाता है। यह तीनों इस्लामिक आतंकी संगठन पाकिस्तान सरकार के खिलाफ लगभग जंग छेड़े हुए हैं। टीटीपी भी चीनियों के पीछे हाथ धोकर पड़ा है। हालांकि यह सच है कि चीनी नागरिकों पर होने वाले हमलों की बीएलए ने सबसे अधिक बार जिम्मेदारी ली है, जिसमें बीते मार्च में ग्वादर बंदरगाह के पास एक पाकिस्तानी नौसैनिक हवाई अड्डे पर हमला भी शामिल है। बीएलए ने अप्रैल 2022 में कराची विश्वविद्यालय के कन्फ्यूशियस संस्थान के पास आत्मघाती हमले में तीन चीनी ट्यूटर और एक पाकिस्तानी ड्राइवर की हत्या कर दी थी।

पाकिस्तान का आतंकवाद का शिकार होना दुखद तो है, पर इसने आतंकवाद को भरपूर खाद-पानी भी दिया है। क्या यह बात सारी दुनिया को नहीं पता। कौन नहीं जानता कि मौलाना अजहर और उनके संगठन जैश ए मोहम्मद को पाक सेना के इशारों पर काम करने वाली खुफिया एजेंसी आईएसआई से मदद मिलती है। जैश भारत का जानी दुश्मन रहा है। जैश सरीखे संगठनों को हमारे पंजाब में आतंकवाद के दौर के बचे हुए गुटों को फिर से खड़ा करने का जिम्मा सौंपा गया है। जैश ए मोहम्मद लश्कर ए तैयबा से ज्यादा खतरनाक और जिद्दी संगठन है। इसका एकमात्र मकसद भारत को हर लिहाज से नुकसान पहुंचाना है। पाकिस्तान में कठमुल्ला खुले तौर पर भारत का विरोध करते हैं, जबकि सेना नेपथ्य में रहकर।

पाकिस्तान के यह सभी कठमुल्ले पंजाबी मूल के हैं। पाकिस्तान में भारत के मित्रों के लिए स्पेस खत्म हो चुका है। पाकिस्तान में निर्वाचित सरकार पर कठमुल्लों और सेना का दबाव अपने आप में गंभीर मसला है।

आपके पड़ोस में अराजकता का होना सही नहीं माना जा सकता। इससे आप भी परेशान ही होते हैं। भारत का यह दुर्भाग्य ही है कि पाकिस्तान जैसा घटिया देश उसका पड़ोसी है। इससे तमाम मोर्चों पर डील करना चुनौती तो होती ही है।

दरअसल पाकिस्तान जनता का दुर्भाग्य है कि उन्हें बेहद गैर-जिम्मेदार नेता और गैर-जिम्मेदार सरकार मिलते रहे हैं। ऊपर से करप्ट सेना ने पाकिस्तान को कहीं का नहीं रहने दिया। पिछले साल पाकिस्तान बाढ़ से तबाह हो गया था। तब पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनिया से मदद की गुहार लगा रहा था। दूसरी तरफ वह हथियारों का सौदा भी कर रहा था। बाढ़ के कारण देशभर में 800 से अधिक लोगों के मारे गए थे और लाखों लोग बेघर हो गये थे। फिलहाल पाकिस्तान कठमुल्लों के आगे बेबस है। चीनियों पर लगातार हो रहे हमले इस बात की गवाही हैं।

अथ दंतकथा

कटाक्ष

सुधीर देशपांडे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ये वो दंतकथा नहीं है जिसका उम्मीद आप पालकर बैठे हैं। अब आप क्या क्या पाने लग गये हैं यह किसी से छापा नहीं है। गाँव वाले आज भी गाय भैंस आदि पाल लें पर शहरियों के लिए कुत्ते पालना एक शौक हो सकता है। यह और बात है कि ये कुत्ते कब किसे काट लें कह नहीं सकते। कहने के लिए तो गलत फहमी भी पाल लेते हैं कई लोग। बस यही एक चीज है जो बिना किसी खर्चे के पाली जा सकती है. कुछ इसी के साथ खुशफहमी भी पाल लेते हैं। तो बोल रहा था कि समय अब भी दंतकथाओं का है। तो आज सुबह उन्होंने फिर हमेशा की तरह ब्रश पर मंजन लपेटा और दाँतों पर घिसने लगे। वे इसे दाँत मांजना कहते हैं। वैसे वे इसे दाँत पजाना भी कह सकते थे क्योंकि पजाए हुये दाँत अंततः कई क्रियाओं में काम आते हैं. वैसे उनके दाँत इस काबिल नहीं कि दिखाये जा सकें। फिर भी यह सामान्य शिष्टाचार की श्रेणी का मामला है कि गाहे बगाहे ही नहीं अपितु वक्त बेवक्त दाँत दिखाये जा सकें।

दाँत के मामले में एक बात और है कि यह कुछ मामलों में उनके पास तब होते हैं जब खाने के नाम पर कुछ नहीं होता। वैसे यह चीज चना ही होती है। जो दाँत नहीं होने पर भर पल्ले आ जाते हैं। दाँत का दिखाया जाना, बेशर्मी की निशानी कहा गया है, पर अभी यह ज्यादा आम है। जो खास लोगों में पाया जाने वाला गुण है। कई बार आप इन पर दाँत पीसते रह जाते हैं। दाँत यानी कहने को तो बत्तीस होते हैं।पर इन में जो अकल दाढ़ है वह कई लोगों को उम्र के पचास वर्ष पूर्ण होने पर भी आई हुई दिखाई नहीं देती। कुछ के दाँत दिखाने के अलग होते हैं और खाने के अलग।इन में हाथी होते हैं।और हाथी सफेद भी होते हैं। कहते हैं ये इंद्र के दरबार में पाये जाते थे परंतु ये इधर भारत में पाये जाने लगे हैं और इफरात में पाये जाते हैं। यहाँ की जलवायु इनके लिए बड़ी मुफीद है। भारत में जो सफेद हाथी पाये जाते हैं। उन्हें सम्हालना कठिन हो चला है, पर यह भारतीय नागरिकों का साहस है कि उन्हें वह आजादी के बाद से लगातार झेलते आ रहे हैं। तो बात ये थी कि वे दाँत मांज रहे थे। इतनी देर उनके दाँत मेरे जहन में रह रह कर गड रहे थे।उन्होंने अब कुल्ला करना आरंभ कर दिया है। कोशिश तो थी कि तंबाखू से पीले हुये दाँत आज ही चमक जाए, पर यह काम भी खराब छवि को चमकाने जैसा सहज काम तो नहीं है। अस्तु अब उन्होंने तौलिया मांगा है। शायद यह कुछ मदद करे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

नेताजी के दिमाग यानी घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी

डॉ. प्रदीप मिश्र

(व्यंग्यकार और लेखक)

सारे मुल्क को घुटनों पर चला देने वाले नेताजी ने कभी ऐसा नहीं सोचा था कि उनके घुटने भी कभी विद्रोह कर देंगे। घुटने जब तक दर्द देते रहे,नेताजी चलते रहे। कभी गोली खाकर। कभी पट्टा बांधकर, दो लोक सभा, एक विधान सभा और एक उपचुनाव में खड़े हुए। घुटने घुटते रहे, चुनाव चलते रहे।लेकिन जबघुटने घुटन से बेहाल हो गए, तब उन्होंने नेताजी का वजन उठाने से जवाब दे दिया, 'अब हमसे नहीं होता। नेताजी आप अपना कोई दूसरा इंतजाम कर लीजिए।' डॉक्टर भी घुटनों की ही जुबान बोल रहे थे।

नेताजी ने खुद नामालूम कितने ऑपरेशन किए हैं...ऑपरेशन-लोटस, ऑपरेशन-पंजा, ऑपरेशन-झाड़ू, आपरेशन- साईकिल। और अब आपरेशन-घुटना सामने था। बात इंसानों की बनाई पार्टी की नहीं, परमात्माआ के बनाए घुटनों की थी। सर्जरी कराना उनके लिए बहुत सरल था। कोई आम आदमी तो थे नहीं, जो घुटना बदलवाने के लिए सौ बार सोचता है कि हेल्थ इंश्योरेंस वाले कितना देंगे? फिक्स डिपॉजिट तोड़वाने में कितना घाटा होगा? नेताजी के लिए तो सारा कुछ फोकट का चंदन था, उन्हें तो बस घिसना था। मतलब मुश्किल सर्जरी से नहीं, घुटने से थी। दिल की, फेफड़े की, आंत की, दांत की... कहीं की सर्जरी कर दीजिए। नेताजी हंसते-हंसते कराने को तैयार थे। लेकिन घुटने का प्रत्यारोपण? कोई अपने दिमाग को कैसे बदलवा ले भाई? जब से राजनीति में प्रवेश किया, उनके गुरू, वरिष्ठ, कनिष्ठी... सब कहते रहे हैं कि,' नेता सफल वही होता है, जिसका दिमाग घुटनों में हो।' सफलता नेताजी के चरणचूम रही है। ऐसे में किसका दिमाग लगवा लें? किसी ईमानदार, सत्यवादी, नैतिक, विवेकी, दयालु... का दिमाग लगा दिया तो सारी पॉलटिक्स फेल हो जानी है।

नेताजी आज जो कुछ भी हैं, वे अपने गुरू प्रख्यात जननायक सत्यकमान की वजह से हैं। पता चला है गुरू वृद्ध हो चुके हैं, उनका जीवन बिस्तर पर ही बसर हो रहा है। अब उन्हें दिमागी फितरत की जरूरत नहीं रही। इसलिए उन्हों ने अपने शिष्य को अपना एक घुटना दान देने का निश्चय किया है। वही घुटना आज मय दिमाग के उनके पुराने घुटने की जगह बैठने जा रहा है।

अब हमें नई दिमागी फितरतों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

डॉ. कलाम जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक स्तंभकार हैं।

सदैव प्रेरक एवं मार्गदर्शक बने रहेंगे डॉ. कलाम

देश के प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस 15 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के अलावा दुनियाभर के छात्रों की तरक्की के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2010 में उनका 79वां जन्मदिवस पहली बार विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया था और उनके जन्मदिवस के अवसर पर ही प्रतिवर्ष यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। तभी से डॉ. कलाम का जन्मदिवस विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। दरअसल डॉ. कलाम सदैव न केवल अपने ज्ञान और शिक्षा के माध्यम से छात्रों से जुड़े रहे बल्कि हमेशा छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत भी बने रहे। उन्होंने छात्रों की वैज्ञानिक, अकादमिक और आध्यात्मिक तरक्की पर विशेष ध्यान दिया। शिक्षण कार्य के साथ-साथ छात्रों के प्रति उनके अगाध प्रेम के कारण ही छात्र भी उनसे उतना ही प्यार करते थे और यही कारण रहा कि उनके जन्मदिवस को विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। डा. कलाम का सम्पूर्ण जीवन यह सीख देता है कि हमारे जीवन में चाहे कितनी भी बड़ी चुनौतियां मुंह बाये क्यों न खड़ी हों, शिक्षा के द्वारा हम हर प्रकार की बाधाओं को पार करते हुए बड़े से बड़े लक्ष्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कलाम साहब कहा करते थे कि अलग ढ़ंग से सोचने का साहस करो, अज्ञात पथ पर चलने का साहस करो, असंभव को खोजने का साहस करो, आविष्कार का साहस करो। वह कहते थे कि समस्याओं को जीतो और सफल बनो, यही वे महान् गुण हैं, जिनकी दिशा में तुम अवश्य कार्य करो।

तमिलनाडु में रामेश्वरम के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे डॉ. कलाम अपनी कड़ी मेहनत और लगन के कारण ही देश के सबसे ऊंचे संवैधानिक पद पर पहुंचे। उनके परिवार में पांच भाई और पांच बहनें थी। उनके पिता जैनुलाबदीन लकड़ी की नौकाएं बनाने का कार्य किया करते थे, जो तीर्थ यात्रियों को रामेश्वरम से धनुषकोटि तक ले जाती थी। डॉ. कलाम ने अपने जीवन में अनेक प्रकार की चुनौतियों और कठिनाईयों का सामना किया। उनका छात्र जीवन बेहद चुनौतीपूर्ण रहा और अभावों में बीता। बचपन में वह अपने परिवार और स्वयं के भरण-पोषण के लिए अखबार भी बेचा करते थे लेकिन दृढ़ निश्चय और पढ़ाई के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते वे अपने जीवन में हर प्रकार की बाधाओं को पार करने में सफल रहे और जीवन की हर बाधा और चुनौतियों को पार करते हुए राष्ट्रपति जैसे भारत के सबसे बड़े संवैधानिक पद पर पहुंचने में सफल हुए। इतने बड़े संवैधानिक पद पर पहुंचने के बाद भी उनका व्यवहार सदैव एक सामान्य और सादगी पसंद व्यक्ति की तरह ही रहा। कई पत्रों का उत्तर तो वे इतने बड़े पद पर होने के बाद भी स्वयं अपने हाथ से लिखकर देते थे। 2002 में राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बाद भी उनके दरवाजे आमजन के लिए सदैव खुले रहते थे।

तमाम अभावों के बावजूद उन्होंने मद्रास इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी से वर्ष 1960 में एयरोस्पेस इंजीनीयरिंग की पढ़ाई पूरी की और बेंगलुरू में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में बतौर प्रशिक्षु चले गए। उसके कुछ ही दिनों बाद उन्हें इंडियन कमेटी फॉर स्पेस रिसर्च की ओर से इंटरव्यू के लिए बुलाया गया और उनका इंटरव्यू स्वयं डॉ. विक्रम साराभाई ने लिया। इंटरव्यू के बाद डॉ. कलाम को इसरो में रॉकेट इंजीनियर के पद पर चयनित कर लिया गया। कुछ ही समय बाद वे भारत के प्रथम सैटेलाइट लांच 'एसएलवी-2' के प्रोजेक्ट डायरेक्टर बने। 1990 के दशक में भारत के पहले परमाणु परीक्षण 'ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा' का भी वे मुख्य हिस्सा रहे। भारत को मिसाइल क्षमता प्रदान करने के कारण ही उन्हें 'मिसाइलमैन' के नाम जाना जाने लगा। उन्हीं के द्वारा विकसित 'अग्नि' तथा 'पृथ्वी' जैसी बैलिस्टिक मिसाइलों ने देश की सुरक्षा को बेमिसाल मजबूती प्रदान की है। विज्ञान की दुनिया में चमत्कारिक प्रदर्शन करने और देश को अंतरिक्ष में पहुंचाने के चलते पूरे देश ने उन्हें सिर-माथे पर बैठाया और अपनी इन्हीं उपलब्धियों की बदौलत वे राष्ट्रपति पद पर पहुंचे। जिस समय उन्होंने देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद को सुशोभित किया, वह पल भारत में विज्ञान जगत के लिए सम्मान, प्रतिष्ठा और गौरव का अद्भुत पल था। डा. अब्दुल कलाम देश की उन चुनिंदा शख्सियतों में शामिल हैं, जिन्हें देश के सभी सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित

किया गया। उनके जीवनकाल में उन्हें कुल 22 पुरस्कारों और सम्मानों से नावाजा गया। उन्हें 1981 में 'पद्म भूषण सम्मान', 1990 में 'पद्म विभूषण सम्मान' तथा 1997 में देश के सर्वोच्च 'भारत रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक और राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ डॉ. कलाम एक शिक्षक भी थे, जिन्होंने अपने प्रेरणादायी और ओजस्वी भाषणों तथा व्याख्यानों के जरिये लाखों छात्रों को प्रभावित किया। शिक्षण के प्रति उनका लगाव इस कदर था कि वैज्ञानिक और राजनीतिक जीवन जीते हुए भी वे एक उम्दा शिक्षक की भूमिका निभाते रहे। अपने इसी लगाव के चलते उन्होंने अपने जीवनकाल में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार जैसा कैबिनेट श्रेणी का अति महत्वपूर्ण पद छोड़कर एक शिक्षक की भूमिका का चयन किया था। जीवन पर्यन्त वे सभी वर्गों और जातियों के छात्रों के लिए एक प्रेरक एवं मार्गदर्शक की भूमिका निभाते रहे और जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे। उनका मानना था कि छात्र ही देश के भविष्य हैं और अगर उसी भविष्य की अच्छी प्रकार से देखरेख की जाए तो वह समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने अपने जीवन में कई ऐसी पुस्तकें भी लिखी, जिन्होंने युवाओं को प्रेरित करने के साथ-साथ उनका भरपूर मार्गदर्शन भी किया। युवाओं, छात्रों, प्रेरणा, विज्ञान तथा टैक्नोलॉजी पर आधारित उन्होंने कुल 18 पुस्तकें लिखी। ऐसी ही पुस्तकों में 'माई जर्नी', 'टर्निंग प्वाइंटः ए जर्नी थ्रो चैलेंज', 'इंस्पायरिंग थॉट्स', 'इंडोमेटियबल स्पिरिट', 'यू आर बॉर्न टू ब्लोसम', 'विंग्स आफ फायर', 'इग्नाइटेड मांइडस', 'द ल्यूमनस स्पार्क', 'फोर्ज योअर फ्यूचर', 'इंडिया 2020' इत्यादि प्रमुख रही।

एक आदर्श छात्र के गुणों को परिभाषित करते हुए डॉ. कलाम कहते थे, ''एक आदर्श छात्र बनने के लिए ज्ञान प्राप्ति पर ही सर्वाधिक समय व्यतीत करना चाहिए क्योंकि ज्ञान ही सफलता का प्रवेश द्वार है। एक छात्र को सख्ती से अनुशासित जीवन जीना चाहिए और कभी भी बुरे विचारों में शामिल नहीं होना चाहिए। उसे अपने चरित्र सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। कड़ी मेहनत करने के साथ समस्याओं से भी कभी भी हार नहीं माननी चाहिए बल्कि सदैव समस्याओं को हराने तथा जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। एक छात्र को अपने आपको औसत से असाधारण तक विकसित करना होता है और योग्यता विकास के इस तरीके में केवल अध्ययन पुस्तकें ही छात्र को आदर्श नहीं बना सकती। जीवन का उद्देश्य प्राप्त करने के लिए छात्र को सभी संभावित स्रोतों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। किसी भी छात्र के लिए केवल पाठ्य पुस्तकों का ज्ञान पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे सभी सिद्धांतों आदि को पढ़ने और समझने के साथ उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग के मार्ग पर चलना चाहिए।''

शिक्षण के प्रति अटूट लगाव और छात्रों के प्रति प्रेम के चलते ही डॉ. कलाम राष्ट्रपति पद का कार्यकाल खत्म होने के बाद देशभर के अनेक कॉलेजों और अकादमिक संस्थानों में अपने भाषणों के जरिये छात्रों का मार्गदर्शन करने और उन्हें प्रेरित करने के कार्य में जुट गए थे। राष्ट्रपति पद से मुक्त होने के बाद वे कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों से जुड़े। वे इंडियन इंस्टीच्यूट आफ मैनेजमेंट शिलांग में अतिथि प्राध्यापक, इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद में अतिथि प्राध्यापक, इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर में अतिथि प्रध्यापक, इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरू में मानद शिक्षक, इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ स्पेस एंड टैक्नोलॉजी त्रिवेंद्रम में चांसलर तथा अन्ना विश्वविद्यालय में एयरोस्पेस इंजीनियर के रूप में जुड़े। उन्होंने अंतिम सांस भी छात्रों को सम्बोधित करते हुए ही ली। 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए डॉ. कलाम को अचानक दिल का दौरा पड़ा और यह महान् विभूति सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई। उस समय वे छात्रों को 'पृथ्वी को एक जीवित ग्रह बनाए रखने' संबंधी विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। शिक्षण के साथ-साथ देश के विज्ञान तथा रक्षा क्षेत्र में उनका अतुलनीय योगदान समस्त देशवासियों के लिए सदियों तक प्रेरणादायक विषय बना रहेगा।

स्मृति शेष : प्रो. प्रभात भट्टाचार्य

डॉ. हरीश कुमार सिंह

समीक्षा

शिक्षा, साहित्य और रंगकर्म के शिखर पुरुष का अवसान

एक शिक्षा शास्त्री के रूप में आपने उज्जैन के प्रथम अशासकीय महाविद्यालय सांदीपनी कला, वाणिज्य एवं विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1966 में अपने साथी प्राध्यापकों के साथ की और सुमन मॉंटेसरी हाई स्कूल की स्थापना वर्ष 1973 में की। तत्पश्चात रंगकर्म को प्रमुखता देते हुए आपने नाट्य प्रशिक्षण और लोकनाट्य के सरंक्षण और संवर्धन के लिए वर्ष 1976 में मध्यप्रदेश नाटक लोक कला अकादमी की स्थापना की। विक्रम विश्वविध्यालय में नए विद्यार्थी कल्याण विभाग की शुरुआत की और उसके पहले डीन बनाए गए। तत्कालीन केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप साक्षरता को बढाने हेतु विश्वविद्यालय में ही प्रौढ़ /सतत शिक्षा केंद्र का शुभारम्भ किया और प्रो. रामराजेश मिश्र के साथ इस अभियान को लोकप्रिय बनाया।

प्रख्यात रंगकर्मी और राष्ट्रीय स्तर पर रंगकर्म के आधार स्तम्भ रहे माधव महाविद्यालय के आचार्य प्रो. प्रभातकुमार भट्टाचार्य का 12 अक्टूबर को 92 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। सांस्कृतिक क्षेत्र रंगमंच में विशिष्ट अवदान के मद्देनजर प्रो.भट्टाचार्य को भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2006 में सर्वोच्च संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से अलंकृत किया था। कुसुमांजलि फाउंडेशन नईदिल्ली द्वारा उज्जयिनी की पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास मगरमुहा के लिए आपको ढाई लाख रुपये का प्रतिष्ठित कुसुमांजलि सम्मान प्रदान किया गया। रंगकर्म के साथ आप विख्यात शिक्षा शास्त्री, कवि, उपन्यासकार भी रहे। आपको प्रभात के तीन शिखर शिक्षा, साहित्य और रंगकर्म के रूप में पहचान मिली। आप राजनीति विज्ञान में गांधी दर्शन पर डॉक्टरेट थे।

एक शिक्षा शास्त्री के रूप में आपने उज्जैन के प्रथम अशासकीय महाविद्यालय सांदीपनी कला, वाणिज्य एवं विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1966 में अपने साथी प्राध्यापकों के साथ की और सुमन मोंटेसरी हाई स्कूल की स्थापना वर्ष 1973 में की। तत्पश्चात रंगकर्म को प्रमुखता देते हुए आपने नाट्य प्रशिक्षण और लोकनाट्य के सरंक्षण और संवर्धन के लिए वर्ष 1976 में मध्यप्रदेश नाटक लोक कला अकादमी की स्थापना की। विक्रम विश्वविध्यालय में नए विद्यार्थी कल्याण विभाग की शुरुआत की और उसके पहले डीन बनाए गए। तत्कालीन केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप साक्षरता को बढाने हेतु विश्वविद्यालय में ही प्रौढ़ /सतत शिक्षा केंद्र का शुभारम्भ किया और प्रो. रामराजेश मिश्र के साथ इस अभियान को लोकप्रिय बनाया।

साहित्यकार के रूप में आपके तीन उपन्यास मगरमुहा, झील का नाम सागर है और रौशनी की चारदीवारी प्रकाशित हुए। आपके दो खंड काव्य लौट आओ मैना और दरख्त तवारीखी सामने आए। आपने कई संस्कृत नाटकों का हिन्दी रूपांतरण किया। कालिदास, भवभूति, शूद्रक, भास् के संस्कृत नाटकों का रूपांतरण और मंचन किया। आपके सात काव्य संग्रह एक साथ प्रकाशित हुए जिनमें नीड़राग, वृक्षराग, रागरंग, अनुराग, ऋतुराग, राग अजगरी और राग अवधूत सम्मिलित हैं। प्रो.भट्टाचार्य की अंतिम कृति बानवे वर्ष की आयु में विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने खंडकाव्य 'श्रीकृष्ण के सृष्टाः गुरुवर महर्षिसांदीपनी' हाल ही में प्रकाशित की है।

आप वर्ष 1995 में कालिदास अकादमी के निदेशक बने और अकादमी को नए सिरे से सुसज्जित किया एवं नाट्य कलाकारों को रिहर्सल और प्रशिक्षण के लिए अकादमी में स्थान दिया। अकादमी में रहते हुए आपने मालव अंचल

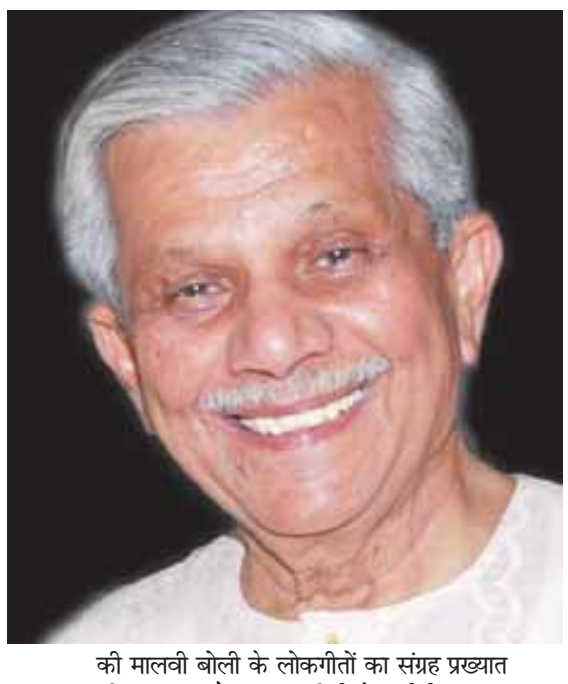

की मालवी बोली के लोकगीतों का संग्रह प्रख्यात इतिहासकार और संस्कृत-हिंदी के मनीषी डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और प्रख्यात मालवी कवि भावसार बा से तैयार कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित करवाया। आपने असंख्य नाटकों का लेखन और निर्देशन किया। अकादमी के निदेशक रहते हुए कालिदास समारोह में संस्कृत नाटकों का हिन्दी अनुवाद कर आपने मंचन करवाए और प्रशंसा पाई। नब्बे वर्ष की उम्र में वर्ष 2023 के विक्रमोत्सव में नाटक 'कर्णभार' का निर्देशन कर आपने खूब प्रशंसा पाई थी। आधुनिक हिन्दी काव्य नाटक के अंतर्गत आपने तीन काव्य नाटक 'मुक्तिकथा' के अंतर्गत लिखे जो काठमहल, प्रेत शताब्दी, और आगामी आदमी थे। नाटक आगामी आदमी प्रख्यात साहित्यकार डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन को समर्पित था। आपके नाटकों का मंचन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली से लेकर कालिदास समारोह और विक्रमोत्सव में होता रहा। आपके नाटकों की समीक्षा करने वालों में प्रख्यात साहित्यकार प्रो.धंनजय वर्मा, डॉ. सुमन, रमेश दवे, गिरीश अवस्थी,प्रभाकर श्रोत्रिय, आलोक मेहता, श्याम व्यास, प्रमोद त्रिवेदी, मुकेश वर्मा, निरंजन श्रोत्रिय, श्रीराम दवे, सुनीता जैन, गिरीश रस्तोगी, प्रणब बंदोपाध्याय, निवेदिता वर्मा जैसे आलोचक रहे हैं। प्रख्यात नाटककार गिरीश रस्तोगी आपके नाटक सतोरिया से इतना प्रभावित हुई कि आपने लिखा कि भारतेंदु के बाद अकेला सम्पूर्ण नाटककार-प्रभात कुमार भट्टाचार्य। प्रो. भट्टाचार्य ने माच के विशेषज्ञ पं. ओमप्रकाश शर्मा के साथ मिलकर इस लोकनाट्य विधा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित किया।

मालवा की लोक संस्कृति को समर्पित हास्य व्यंग्य के आयोजन अखिल भारतीय टेपा सम्मेलन की शुरुआत आपके मार्गदर्शन में वर्ष 1970 में संस्थापक -संयोजक प्रख्यात व्यंग्यकार डॉ. शिव शर्मा ने की थी। डॉ. शिव शर्मा आपके सुयोग्य शिष्य रहे और आपकी साहित्यिक मुठभेड़ों के अग्रणी योद्धा रहे। साहित्यिक पत्रिका समावर्तन का निर्बाध प्रकाशन कर आपने देश भर में ख्याति अर्जित की। समावर्तन के संपादक मंडल में रमेश दवे, रमेश सोनी, मुकेश वर्मा, निरंजन श्रोत्रिय, श्रीराम दवे, अक्षय आमेरिया, सदाशिव कौतुक, निवेदिता वर्मा, अजय भट्टाचार्य, डॉ. अरुण वर्मा, डॉ. हरीशकुमार सिंह, डॉ.प्रकाश रघुवंशी, विवेक शर्मा आदि सम्मिलित रहे। समावर्तन वर्ष 2008 से निरंतर वर्ष 2023 प्रकाशित होती रही और समावर्तन के 150 वें अंक का विमोचन गरिमामय समारोह में दिल्ली और उज्जैन में हुआ। बांग्ला भाषी होते हुए भी हिन्दी साहित्य में आपने अपनी पहचान बनाई। आपकी रचनाओं में बांग्ल परंपरा और संस्कार के दर्शन होते हैं।

संघ स्थापना दिवस

अमित राव पवार

देश हमें देता है सब कुछ,हम भी तो कुछ देना सीखें

सन् 1857 की क्रांति के पश्चात सभी का एक ही लक्ष्य और स्वप्न था,कि भारत को स्वतंत्रता मिले। इसी बीच परतंत्रता की काल रात्रि में सूर्य के प्रकाश जैसे एक किरण का 27 सितंबर 1925 विजयादशमी (दशहरे) के शुभ दिवस पर नागपुर में उदय हुआ। जो अब कुछ ही समय प्रश्चात अपने जीवन काल के 100 वर्ष पूर्ण करने वाला है, विश्व का सबसे अधिक कार्यकर्ताओं वाला संगठन है, जो सदैव राष्ट्रहित के कार्यो में तत्पर रहता है जिसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अथवा आरएसएस के नाम से जानते हैं। वर्तमान में अपनी 99 वें वर्ष की प्रवेश यात्रा कर रहा है, और सन 2025 में यह 100 वां वर्ष पूर्ण करेगा। क्या? हमे ओर कोई अन्य संगठन दिखाई देता है, जिसकी इतनी लम्बी यात्रा हो, जिसने अपने भारत राष्ट्र के लिए जीना और मरना दोनों सिखाया हो। सन् 1947 में भारत स्वतंत्र तो हो चुका था,पर इस देश का एक राज्य गोवा अब भी मुक्ति से दूर था। गोवामुक्ति आंदोलन के माध्यम से ऋस्स के स्वयंसेवक एवं प्रचारकों ने अपने प्राणों का बलिदान गोवा को पुर्तगालियों से स्वतंत्र करवाया, इसी तरह दमन दीव एवं अन्य श्रेत्र भी पुर्तगालियों से मुक्त करवाने में अहम भूमिका का निर्वाह किया।यह वही संगठन है, जो हमें सिखाता है। 'देश हमे देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखे।' इसकी स्थापना से ही राष्ट्र सर्वोपरि की भावना और संदेश इसमें समाहित है, जो आज तक अटल है। राष्ट्रहित में कार्य करना और देश में सामाजिक समरसता एवं सद्भाव से हिंदुओ को संगठित कर भारत को परम वैभव तक पँहुचाने का संकल्प करते हुए भारतीय दर्शनशास्त्र इस संगठन में दिखाई देता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार जी ने केवल 15-20 युवाओं के एक छोटे समूह के साथ की थी। स्थापना के समय मुख्यतः भाऊजी कावरे,अन्ना सोहनी,विश्वनाथ राव केलकर, बालाजी हुद्दर और बाबूराव भेड़ी सम्मिलित थे। इन्होंने प्रारंभिक वर्षों में संघ कार्य के विस्तार में प्रमुख भूमिका निभाई। एक छोटे पौधे ने विशालकाय वटवृक्ष का रूप कब लेते गया, इसका अनुमान हम देश मे लग रही 70 हजार से अधिक शाखाओं एवं विश्व के 80 देशों में इसके विश्व विभाग माध्यम से कार्य से समंझ सकते है। देश ने जब-जब विपत्तियों सामना किया, सबसे पहले संघ के कार्यकर्ता ही आगे आये। स्थापना से लेकर वर्तमान तक इसके अनेकों उदाहरण हमे देखने को मिलते है। सनातन धर्म को लेकर समाज जागरण करना ये मुख्य भूमिका रहती है। इस संगठन का मूल आधार दैनिक शाखा जो नियमित स्थान पर तय समय पर एक घण्टे की होती है। जिसमे स्वयंसेवकों द्वारा बौद्धिक, शारीरिक तथा समाज जीवन से सम्बंधित गतिविधियों में भाग लिया जाता है।दूसरे शब्दों में कहे तो शाखा इस संगठन का मेरुदण्ड होती है। इसकी प्रथम शाखा जिस स्थान पर पहली शाखा लगाई गई, वो नागपुर का मोहिते का बाड़ा मैदान था, जो आज वर्तमान समय मे संघ मुख्यालय का हिस्सा है। स्थापना से 6 महीने बाद 17 अप्रैल 1926 में इस संगठन का नामकरण हुआ।

अनेकों नाम चर्चा में डॉ.हेडगेवार जी के घर पर बैठक में लगभग 26 लोगो की उपस्थिति में आये, तथा अनेकों नाम चर्चारत रहे।पर अतः 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' नाम सर्व सम्मति से तय हुआ।

हर एक संगठन या संस्था का अपना एक आदर्श अथवा आयकांन होता है, या कहे तो उस संस्था या संगठन का जो संस्थापक होता है, उसे ही लोग अपना आदर्श मानते है। पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यहां सर्वथा भिन्न प्रतीत होता है। सनातन संस्कृति और धर्म का पवित्र 'भगवा ध्वज' को संघ ने अपना गुरु माना है।आरंभ के समय में सबने डॉ. हेडगेवार जी को गुरु बनाना चाहा, पर डॉ. हेडगेवार मानना था, कि व्यक्ति विशेष में कभी भी कोई भी दोष, त्रुटि हो सकती है। इसलिए परम पवित्र सूर्य, यज्ञ अग्नि के प्रतिक'भगवा ध्वज' को गुरु के स्थान पर विराजमान होना चाहिए। संघ स्थापना से निरंतर प्रतिवर्ष व्यास पूर्णिमा/ गुरु पूर्णिमा के दिन इस पवित्र ध्वज का विधिवत पूजन किया जाता है। जिसे गुरु के स्थान पर माना गया है। सबसे प्रथम गुरु पूजन सन 1928 में आयोजित की गई थी। तब से आज तक इसमें कोई बाधा नहीं हुई। अपनी प्रत्येक दैनिक शाखाओ पर संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतिदिन भगवा ध्वज को प्रणाम किया जाता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीन बार कुछ समय के लिए प्रतिबंध भी लगा। जब-जब प्रतिबंध लगा उसके बाद भी यह और अधिक उत्साह व बल से समाज के सामने वापस आया और अपने कार्य का विस्तार बढ़ाते गया लोगो को जोड़ते गया। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश में 70000 से अधिक शाखाएं हैं, विश्व के विभिन्न देशों में हिंदू स्वयं सेवक संघ के नाम से भी कार्य किया जा रहे हैं, संघ का संगठन सेवा इंटरनेशनल ने विश्व में मानव सेवा कार्य के लिए अपनी पहचान स्थापित की जिसने कोरोना काल के समय एक अहम भूमिका समाज के बीच मे जाकर निभाई। सभी विधाओं एवं समाज जीवन की प्रत्येक गतिविधि में संघ के स्वयंसेवक पूर्ण निष्ठा भाव से कार्य कर रहे हैं। जो अपने आप मे एक अद्वितीय है।

किशोर की डूबने से मौत, नाली में गिरे बच्चे की उपचार के दौरान मौत

बैतूल। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए हादसे में एक किशोर और एक ढाई वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मासूम खेलते समय नाली में गिर गया। तेज बारिश में बच्चा करीब एक किमी दूर तक बह गया और नाले में मिला। उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रावा निवासी रूद्र सुखदेव देशमुख उम्र 16 वर्ष पारसडोह डेम में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए गया था। विसर्जन के बाद वापस लौटते समय उसका पैर फिसल गया और वह ताप्ती नदी के गोशाला पारसडोह क्षेत्र में गिर गया। उसे तैरना नहीं आता था, जिससे वह डूबने लगा। युवक को नदी से निकालकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर दूसरी घटना बैतूल जिला मुख्यालय के किदवई वार्ड की है, जहां ढाई वर्षीय आमीर घर के सामने खेल रहा था, तभी नाली में गिर गया। तेज बहाव की वजह से नाली से बहकर नाले तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर फौरन ही स्थानीय लोग, पुलिस, एसडीईआरएफ और नगर पालिका का अमला मौके पर पहुंच गया था और बच्चे को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। बच्चा घर से करीब एक किलोमीटर दूर नाले में मिला है। जिसे तुरंत ही जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

नाली में पड़ा मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

बैतूल। बडोरा क्षेत्र के द्वारका नगर में सोमवार सुबह एक व्यक्ति का शव नाली में पड़ा मिला है। आशंका जताई जा रही है कि शराब के नशे में वो नाली में गिर पड़ा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर घटना की जांच शुरू कर दी है। बैतूलबाजार टीआई अंजना धुर्वे ने बताया कि प्रदीप तावड़े उर्फ पप्पू पिता शिवदयाल (44) रात से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। सोमवार सुबह पड़ोसी ने उसे शिव मंदिर के पास नाली में पड़ा देखा। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे नाली से बाहर निकाला। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जांच कर रहे एसआई संजय कलम ने बताया कि मृतक आटा चक्की चलाता था। आशंका है कि रविवार शाम उसने शराब का अधिक सेवन कर लिया होगा। इससे बेसुध होकर वो नाली में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। प्रदीप के शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला आईटीआई में जिला स्तरीय रोजगार मेला आज

बैतूल। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में आज 15 अक्टूबर को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। प्राचार्य रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि रोजगार मेले में पांचवी से 12 वी उत्तीर्ण, आईटीआई, डिप्लोमा एवं ग्रेजुएट अभ्यर्थियों को रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मेले में वर्धमान फेब्रिक्स लिमिटेड बुदनी, टाटा मोटर्स सानंद अहमदाबाद, विस्ट्रान इंफोकॉम बेंगलुरु, फॉक्सकॉन बेंगलुरु टाटा मोटर्स पुणे कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थिति होकर इंटरव्यू के माध्यम से अभ्यर्थियों को चयनित करेंगे। इस मेले में प्रथम फाउंडेशन भोपाल के प्रतिनिधि भी उपस्थित होंगे।

खेतों में फसल बचाने किसान कर रहे जद्दोजहद, बारिश के कारण कटाई कार्य भी हुआ प्रभावित

तेज बारिश से फसलों को नुकसान, सोयाबीन का रंग फीका होने से दाम मिलेंगे कम

संजय द्विवेदी, बैतूल

बैतूल। एक बार फिर मानसून सक्रिय होने से बारिश शुरू हो गई है। पिछले दो-तीन दिन से जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में झमाझम तेज बारिश हो रही है। जिससे किसान बंधु खासे परेशान है। बारिश के कारण किसान सोयाबीन की कटाई भी नहीं कर पा रहे है। जिन किसानों ने कटाई के बाद सोयाबीन थ्रेसर के लिए एक जगह संग्रहित की, उनकी परेशानी अब दोगुनी हो गई। अब गीली सोयाबीन को निकालना मुश्किल हो जाएगा व संग्रहित ढेर सूख नहीं पाएगा। बैतूलबाजार के किसान प्रसून चौधरी, राजेंद्र चौधरी ने बताया कि सोयाबीन फसल पकने के बाद कटाई के लिए तैयार है, परंतु लगातार बारिश से किसानों की मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। रोजाना बारिश होने से किसान केवल कटी हुई सोयाबीन ही समेट पा रहा है और बारिश से भूसा खेत में ही गीला हो रहा है। ऐसे में किसान बेबस व लाचार दिख रहा है। किसानों ने बताया कि खेतों में अब हार्वेस्टर का जाना और मुश्किल हो गया है। अब जब तक तेज धूप ना निकले, खेत की नमी ना खत्म हो, तब तक किसानों को फसल कटाई के लिए इंतजार ही करना पड़ेगा।

तेज बारिश से झड़ी सोयाबीन की फलियां- जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही तेज बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है। कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फलियां भी झड़ने की जानकारी सामने आई है जिससे किसान परेशान है। बडोरा के किसान ऋषिराम सरले का कहना है कि इस वर्ष अच्छी फसल की उम्मीद लगाई थी, लेकिन बारिश ने फसलों को बर्बाद कर दिया है। बारिश के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। खेतों में नमी आने से कटाई कार्य भी नहीं कर पा रहे है। खेतों में लगी फसलें गीली हो गई। सोयाबीन की फलियां झड़ गई, कहीं-कहीं किसानों ने सोयाबीन काटकर खेतों में रखी थी, वह भी गीली हो गई। जिससे सोयाबीन का रंग फीका होकर काली पड़ने की संभावनाएं बढ़ गई। किसानों का कहना है कि सोयाबीन काली पड़ती है तो फसल के अच्छे दाम नहीं मिलेंगे।

जिले में 2 लाख 4 हजार हेक्टेयर में सोयाबीन की बोवनी- जिले में बड़े स्तर पर सोयाबीन की बोवनी की जाती है, लेकिन बारिश किसानों की उम्मीदों पर पानी फेरने पर लगी है। लगातार बारिश से सोयाबीन की फसल के अलावा अन्य फसलों को भी नुकसान हो रहा है। ज्यादातर नुकसानी उन ब्लॉकों में हुई, जहां पर अधिक बारिश हुई है। कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इस वर्ष खरीफ फसल में सोयाबीन की लगभग दो लाख चार हजार तीन सौ हेक्टेयर में बोवनी हुई थी और कुछ क्षेत्रों में फसलें भी अच्छी थी, लेकिन बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। किसानों का कहना है कि फसल नुकसानी का सर्वे होना चाहिए, ताकि किसानों को मुआवजा मिल सके।

उपज की गुणवत्ता को लेकर परेशान किसान- बारिश की वजह से किसान खेत खलिहानों में रखी सोयाबीन की गुणवत्ता को लेकर अधिक परेशान हैं। उल्लेखनीय है उपज की कटाई के बाद तेज धूप बहुत आवश्यक है। किसानों ने बताया कि काटकर रखी फसल के लिए धूप बहुत जरूरी है। अन्यथा दाना दागीला हो जाएगा। यही हालात जारी रहे, तो काटकर रखी सोयाबीन अंकुरित हो जाएगी। सफेदपन आ जाएगा। इधर जिन किसानों ने सोयाबीन काट ली है, उनके सामने खेतों को तैयार करना कठिन हो गया है। किसान बताते है कि बारिश से रबी फसल के लिए खेत तैयार करना कठिन हो गया है। अभी खेत गीले है। ऐसे में फसल बुआई के लिए खेत तैयार करना मुश्किल होता है। किसान अब तेज धूप खिलने का इंतजार कर रहे है।

औसत बारिश के लिए 1 इंच बारिश की दरकार

जिले में अभी औसत बारिश का आंकड़ा पूरा होने के लिए 1.3 इंच यानि 32.5 मिमी बारिश की दरकार है। जिले में अब तक 1051.4 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि औसत बारिश का आंकड़ा 1083.9 मिमी है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 13 अक्टूबर से 14 अक्टूबर सुबह 8 बजे तक जिले में 19.9 मिमी बारिश हुई है। जिसमें बैतूल में 87.6 मिमी, घोड़ाडोंगरी 4.0 मिमी, चिचोली 6.3, शाहपुर 12.0, प्रभातपट्टन 11.4, आमला 13.0 भैंसदेही 21.0, आठनेर 0 और भीमपुर में 42.0 एमएम बारिश दर्ज की गई है। जबकि पिछले साल 14 अक्टूबर तक जिले में 1095.7 मिमी बारिश हो चुकी थी।

सोयाबीन फसल के पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 20 अक्टूबर

किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग जिला बैतूल के उपसंचालक आनंद बडोनिया ने बताया कि विपणन वर्ष 2024-25 में भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अन्तर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर सोयाबीन फसल के पंजीयन हेतु बैतूल जिले में कुल 38 सहकारी समितियों का निर्धारण किया गया है।सोयाबीन उपार्जन हेतु किसानों द्वारा पंजीयन के समय आधार कार्ड, खसरा नकल एवं बैंक पासबुक की प्रति पोर्टल पर अपलोड की जाना है। ई-उपार्जन पोर्टल पर आगामी 20 अक्टूबर 2024 तक पंजीयन किया जाना है। किसान भाईयों से अनुरोध है कि अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2024 के पूर्व सोयाबीन उपार्जन हेतु सहकारी समितियों में जाकर अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कर समर्थन मूल्य पर ही सोयाबीन विक्रय करे। जिससे किसानों को फसल के अच्छे दाम मिलेंगे।

इनका कहना है -

किसानों को तेज बारिश से फसल बचाने के लिए सावधानी बरतते हुए पहले से ही शेड या तिरपाल की व्यवस्था करनी चाहिए थी। जिससे कटी हुई फसल को नुकसान न हो। सोयाबीन फसल का रंग गिर जाने से मंडी में उसका दाम कम मिलता है। रही बात सोयाबीन की फल्ली झड़ने की, तो सोयाबीन में यह समस्या कम ही रहती है, जबकि मूंग और सरसों में तेज बारिश के बाद धूप खिलने से फल्लियां फट कर झड़ जाती है। किसान समर्थन मूल्य में फसल बेचने के लिए 20 अक्टूबर तक अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन करावे जिससे उन्हें अच्छा दाम मिल सके।

- रामवीर सिंह राजपूत, सहायक संचालक, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, बैतूल

राज्याभिषेक के बाद प्रभु श्रीराम ने सिखाया भाईचारे का महत्व

रामलीला के मंच पर सजी अयोध्या, श्रीराम के राजतिलक के साथ हुई खुशियों की बरसात

बैतूल। रविवार रात प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ भव्य रामलीला का समापन हुआ, जिसमें भाई भाई के प्रेम का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। प्रभु श्रीराम ने भरत और राम के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से समृद्ध भाई को अपने कमजोर भाई की सहायता करनी चाहिए। श्रीराम ने यह सिखाया कि भाई के लिए राज्य त्याग करने वाला केवल राम ही हो सकता है। इस प्रेरणा से लोगों को भाईचारे और सहयोग की भावना सिखाई गई। श्री कृष्ण पंजाब सेवा समिति के राजेश मदान ने बताया कि प्रभु श्रीराम ने अपने राजतिलक के बाद परिवार और समाज में एकता का संदेश देने वाले अनेक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर रामलीला में राज्याभिषेक का सुंदर मंचन किया गया, जहां लंका विजय के बाद प्रभु श्रीराम जब अयोध्या लौटे, तो पूरे अयोध्या नगरी में खुशियों की लहर दौड़ गई।

राम दरबार को विशेष रूप से सजाया गया मंच दर्शकों के लिए भक्ति और श्रद्धा का केंद्र बन गया, जहां भगवान श्रीराम का विधिवत राजतिलक किया गया। दर्शकों ने श्रीराम दरबार के सामने शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया और जयकारों से पूरा

माहौल गूंज उठा। सियापति श्रीरामचंद्र की जय-जयकार और भक्ति की गंगा ने समस्त उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

खप्परों से उतारी आरती - समिति के पदाधिकारियों ने रामलीला के सफल समापन पर जमकर आतिशबाजी की, वहीं भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी का मंच पर भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित भक्तों ने खप्परों से आरती उतारकर तिलक लगाया और आशीर्वाद प्राप्त किया। आदर्श श्री इंद्रलोक रामलीला मंडल खजूरी जिला सीधी के कलाकारों ने रामलीला की मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी दर्शकों का मन मोह लिया। समापन समारोह के दौरान श्री कृष्ण पंजाब सेवा समिति ने आयोजन में सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त करते हुए सभी को मंच से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य एवं शिक्षाविद पं.कांत दीक्षित, अध्यक्ष कश्मीरीलाल बतरा, हरिओम सतीजा और अशोक मदान के करकमलों से सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

ताप्ती समग्र ने चलाया घाट सफाई अभियान, 51 पौधों का किया रोपण

बैतूल। ताप्ती समग्र फाउंडेशन के तत्वावधान में 100 से अधिक युवाओं द्वारा माँ ताप्ती के घाट सफाई अभियान एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप से घाट पर फैली गंदगी को साफ किया। इसी दौरान घाट पर मौजूद लोगों को माँ ताप्ती की स्वच्छता तथा माँ ताप्ती में कूड़ा कचरा ना डालने और प्रकृति द्वारा मनुष्य को दिए गए संसाधनों को जैसे (नदी, तालाब , जंगल, वायु) सुरक्षित रखना और संरक्षित करने की अपील की। माँ ताप्ती किनारे बैठे कुछ ग्रामीणों ने भी टीम ताप्ती समग्र के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान में सहयोग किया। इस अवसर पर जनअभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पर्यावरण प्रेमी मोहन नागर ने संबोधित करते कहा कि माँ ताप्ती को स्वच्छ और साफ रखना हम सभी का कर्तव्य है। इसके लिए सभी को शपथ दिलाई गई। ताप्ती समग्र फाउंडेशन के अध्यक्ष गौरव माकोड़े ने बताया कि ताप्ती समग्र के माध्यम से हमारा उद्देश्य मां ताप्ती

के पौराणिक स्थल को संरक्षित एवं स्वच्छ रखने के लिए हम प्रयासरत रहेंगे। संगठन के माध्यम से घाटों की सफाई एवं वृक्षारोपण के कार्यक्रम हम निरंतर जारी रखेंगे।

150 लोगों ने लिया अभियान में लिया हिस्सा- इस दौरान घाटों जल स्रोतों के निकट 100 से अधिक गारबेज में कचरा इकट्ठा किया गया। अभियान मंदिर परिसर नदी घाट के निकट क्षेत्र में चलाया गया। इसमें लगभग 100 से अधिक लोगों द्वारा स्वेच्छा से स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। अभियान के दौरान ताप्ती मैया के तट पर 51 बरगद, पीपल बेल के वृक्षों का भी रोपण किया गया। इस अभियान दिनेश महस्की, हर्षवर्धन धोटे, सुनील कुबड़े, सुभाष देशमुख, सचिन बोहरपी, भावेश लोखंडे, लोकेश झरबड़े, अंकित सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित थे।

लोनारी कुनबी समाज सेवा संगठन के सदस्यों ने शिवाजी चौक पर किया प्रदर्शन

शिवाजी चौक और कॉलेज चौक पर लगा लम्बा जाम, पुलिस कर्मचारियों ने खुलवाया

बेतूल। भाजपा नेता आत्महत्या मामले को लेकर आज सोमवार को कुनबी समाज के लोगों ने शिवाजी चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। क्षत्रिय लोनारी कुनबी समाज संगठन जिला बैतूल ने विरोध जताते हुए एसपी को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है। कुनबी समाज के प्रदर्शन से शिवाजी चौक और कॉलेज चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ गई। कॉलेज चौक पर लंबा जाम लग गया। जाम में तीन एम्बुलेंस भी फस गई थी। यह एंबुलेंस गाड़ियां पेशेंट को लाने के लिए कॉल पर जा रहा थीं। तभी ड्यूटी से घर लौट रहे कुछ पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए जाम को सुचारू किया। दरअसल 7 अक्टूबर को सारणी भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रविंद्र देशमुख पिता माधवराव देशमुख ने मानसिक प्रताड़ना के कारण खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। रविन्द्र के घर से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला था। जिसमें उन्होंने दस लोगों पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। नोट

में कई ऐसे लोगों का भी नाम है, जो राजनैतिक दल से जुड़े हुए है। समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि इस मामले में जिन लोगों को आरोपी बनाया गया है। उसमें कई रसूखदार और राजनीति से जुड़े है। जिनकी गिरफ्तारी नहीं होने से जांच प्रभावित हो सकती है।

वाहनों की लगी लंबी लाइन

कॉलेज चौक पर जाम के कारण आकाशवाणी रोड, एसपी कार्यालय तक, कॉलेज चौक से कालापाठा मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। बहुत देर तक सैकड़ों वाहन जाम में फसे रहे। ड्यूटी खत्म होने के बाद घर लौट रहे कुछ पुलिसकर्मियों को लंबा जाम लगा दिखाई दिया। उन्होंने फौरन मोर्चा संभाल और जाम को सुचारू करने में लग गए। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद यातायात बहाल हुआ। इस जाम में एंबुलेंस भी फंसी रही।

एसआईटी का किया गठन

आज सोमवार को कुनबी समाज के गुस्सा लोगों की भीड़ से मिलने एसपी बैतूल निश्चल झरिया स्वयं चौराहे पर पहुंचे और उनसे ज्ञापन लिया । इसके बाद एसपी निश्चल झरिया ने बताया कि रविंद्र देशमुख आत्महत्या केस में एडिशनल एसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया है। जो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी। पुलिस की कई टीमें इस मामले में आरोपी बनाए गए लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामार कार्रवाई कर रही है। हालांकि, अब तक दस में से एक भी आरोपी हाथ नहीं आ सका है। वहीं, समाज के कुछ लोगों का कहना रहा कि इस मामले में आरोपी बनाए गए कई रसूखदार लोग अपनी अग्रिम जमानत के लिए कोशिश कर रहे है। पुलिस जानबूझकर उन्हें बचा रही है।

दृष्टिकोण

अनिल त्रिवेदी

लेखक अभिभाषक हैं।

आठ अरब मनुष्य याने आठ अरब विचार शैली और स्वभाव!

मनुष्य को जन्म के साथ ही मनुष्य शरीर को आकार मिलता है। पर मनुष्य का आकार,आचार, विचार और स्वभाव अपने आप में मनुष्यता का पर्याय नहीं बन जाते। मनुष्य और पशु या अन्य जीव जन्तुओं में यही मूलभूत अंतर है, अन्य सभी जीव जन्तु जन्माना जिस आकार प्रकार और शैली में जीवन यापन करते हैं वह आखरी सांस तक एक जैसा ही बना रहता है। वे उसमें चाहकर भी संशोधन, संवर्धन या परिवर्तन नहीं कर सकते। पर मनुष्य के साथ ऐसा नहीं है। मनुष्य जैसा पैदा होता है वैसा आचरण और व्यवहार जीवन पर्यन्त नहीं रख पाता। पशुओं का मूल स्वभाव जन्म से मृत्यु तक कायम रहता है। पर मनुष्य आकार प्रकार में मनुष्य होते हुए भी कब क्या और कैसा आत्मघाती, हिंसक आचार और व्यवहार कर बैठेगा और अपने मनुष्यत्व को अकारण या सकारण उत्तेजित हो त्याग देगा या अध्यात्म की राह चल कर ध्यानमग्न होकर शांत स्वरूप अपना लेगा यह सामान्य रूप से कभी भी कहना संभव नहीं है। मनुष्य प्रकृति की ऐसी रचना है जो प्रकृति से प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ को ही विकसित जीवन मानने लगा है। मनुष्यों के विकास का सहज अर्थ मनुष्यता का विकास हैं।आज के काल खंड में मनुष्य अपने बनाए मकड़जाल में उलझता जा रहा है और आधुनिक काल की चुनौतियों के सामने असहाय हो रहा है।

आज मनुष्य को जीवन में जिन जटिलताओं का सामना करना पड़ता है उनका जन्मदाता स्वयं मनुष्य और उसकी संकुचित अवधारणाओं को ही जाता है।आज के कालखंड में मनुष्य का जीवन सरल सहज दिनचर्या को छोड़कर अकारण भागादौड़ी और लोभ लालच की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसका नतीजा मनुष्यों के आपसी व्यवहार, आचार और चिंतन प्रणाली में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मनुष्य सरल और प्राकृतिक जीवन त्याग,जटिल अप्राकृतिक एवं एकरस यांत्रिक जीवनचर्या को अपनाता जा रहा है। अत्यधिक तनाव और प्रतिस्पर्धा वाली जीवन शैली से मनुष्यों को अपने समकालीन मनुष्यों के साथ ही समन्वय रखने में जटिलता महसूस होने लगी है।इस परिस्थिति का सीधा असर मनुष्य के आपसी व्यवहार, आचार, विचार और चिंतन प्रणाली पर अत्यधिक होता दिखाई देता है। आज के मनुष्य को स्वयं अपने आप पर और अपने आस-पास के समकालीन मनुष्यों पर पहले जैसा विश्वास नहीं रहा इस कारण मनुष्यों में खुल कर बातचीत करने की पुरातन पर प्राकृतिक जीवन शैली लगातार लुप्त होती जा रही है। इसलिए हमारी दुनिया में

मनुष्य के असहिष्णुता पूर्ण विचार और व्यवहार से नित नई चुनौतियां पल पल में दुनिया के हर हिस्से में खड़ी होती है और मनुष्य को व्यक्तिगत रूप से या समूह में ऐसी व्यवहारगत और अमानवीय घटनाओं के कारण भयग्रस्त मानसिक तनाव को जीवन का एक आयाम मान कर असहाय जीवन जीने को अभिशप्त होना पड़ता है। इस असहाय जीवन का कारक मनुष्य स्वयं है। आज की विकसित दुनिया में मनुष्यों के चिंतन में एक बात यह तेजी से आती जा रही है कि उनके जीवन में आ रही समस्या या तनाव का मुख्य कारण वे और उनकी चिन्तन प्रणाली, आचार व्यवहार न होकर अन्य समकालीन मनुष्यों के कारण है। यानी आज का मनुष्य अपने समकालीन मनुष्यों को दोषी मानते हुए समस्या का समाधान करने हेतु स्वयं हरसंभव प्रयास करने से बचना चाहता है और यांत्रिक रूप से सारा दोष दूसरे मनुष्यों पर डालते जाने से मनुष्य शारीरिक आकार प्रकार में तो मनुष्यों जैसा दिखाई देता है पर बहुत बड़ी संख्या में दुनिया के मनुष्य अपनी कमियां ढूंढकर उन्हें समाप्त करने से लगातार बच रहे हैं। जिससे मनुष्य का रोजमर्रा का व्यवहार, आचरण और जीवन दुनिया भर में मनुष्यकृत विस्फोटक मानसिक तनाव में तेजी से बदल रहा है।

आज की दुनिया में मनुष्यों की संख्या आठ अरब तक पहुंच गई है। आठ अरब मनुष्य याने आठ अरब विचार शैली और स्वभाव! हमारी दुनिया की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां एक जैसा दूसरा कोई नहीं है। चाहे प्राणी जगत जिसमें मनुष्य भी शामिल हैं हो या वनस्पति जगत जैव विविधता सबसे अनोखी बात है। मनुष्य जो इस दुनिया में सबसे ज्यादा सृजनात्मक और विध्वंसात्मक क्षमता रखने वाला जीव हैं की व्यक्तिगत भूमिका स्वयं पर और अन्य मनुष्यों के जीवन पर महत्वपूर्ण रूप से प्रभाव डालती है। इतनी अधिक जैव विविधता और वैचारिक विरोधाभासों के व्यापक समन्वय से ही मनुष्य के मन और जीवन में मनुष्यता का भाव प्राकृतिक अवस्था में बना रह सकता है। हर परिस्थिति में समन्वय और सहजीवन ही मनुष्य समाज में मनुष्यता को क़ायम रख सकती है। अभी हम-सब याने प्राणी जगत और वनस्पति जगत आपसी सहयोग,समन्वय और सद्भाव से ही मानवीय जीवन और मूल्यों को जिस रूप में बनाये रखने में सफल हुए हैं। मनुष्य और मनुष्यता एक दूसरे के पर्याय बने रहकर ही सहजीवन कर सकते हैं। मनुष्य मनुष्यता को अपने जीवन में निरंतर बढ़ाते हुए अपना अनोखा मौलिक अस्तित्व बनाए रखने को ही अपने जीवन जीने का प्राकृतिक क्रम समझे तो ही वनस्पति और मनुष्येतर प्राणी जगत अपने असंख्य विविधता भरे विरोधाभासों के होते हुए भी दुनिया की व्यापक समझ के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को निजी और सार्वजनिक जीवन में क़ायम रखकर इस दुनिया को सबसे निरापद जीवन की जगह के रूप में कायम रखने में सहायक हो सकते हैं।

संस्था जय हो द्वार शरद पूर्णिमा पर शास्त्री मेडिकल पर श्वास दमा रोगियों को निःशुल्क दवा का वितरण किया जाएगा

धार। धार शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था जय हो शरद पूर्णिमा दिनांक 16 अक्टूबर बुधवार को आनंद चौपाटी स्थित शास्त्री मेडिकल स्टोर्स पर दोपहर से निःशुल्क श्वास एवं दमा रोगियों को दवा का वितरण किया जाएगा । संस्था जय हो के संस्थापक डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया की विगत 25 वर्षों से निरंतर संस्था द्वारा श्वास व दमा (अस्थमा) मरीजों को निःशुल्क दवा का वितरण किया जा रहा हैं । जिसे लेने के लिए बड़ी संख्या में मरीज दूर दूर क्षेत्रों से आते हैं ।

डॉ. शास्त्री ने बताया की वर्ष ऋतु एवं शीत ऋतु में शरीर में कफ व शीत का प्रकोप बढ़ जाने से श्वास व दमे संबंधी परेशानी बढ़ जाती हैं । यह बीमारी रात्रि में अधिक परेशान करती हैं । ऐसे मरीजो को शरद पूर्णिमा की रात्रि में गाय के दुध की खीर बनाकर उसमें यह दिव्य औषधि को मिलाकर मध्य रात्रि में चंद्रमा की किरणे सीधी पड़ती हो वहाँ एक घंटे रख दे, तत्पश्चात् उस खीर का सेवन करे । संस्था के सर्वश्री धर्मेंद्र जोशी, नवीन गर्ग, नवीन चौहान, लालूजी यादव, राजेश शर्मा, अवध द्विवेदी , सुनील तिवारी ने मरीजो से निवेदन किया हैं की सभी उसका लाभ अधिक से अधिक ले । जानकारी संस्था के निलेश जोशी ने दी ।

भाजपा सदस्यता अभियान अंतर्गत जिले में भाजपा के तीन लाख सदस्य बने

धार जिले में भाजपा के दो विधायक नीना वर्मा, कालूसिंह ठाकुर ने सदस्यता अभियान में 15 हजार सदस्य बनाए

धार। संगठन पर्व भाजपा सदस्यता अभियान वर्ष 2024 के अंतर्गत देशभर में भाजपा विचारधारा से जोड़कर भाजपा के सदस्य बनाए जा रहे हैं जिसमें मध्य प्रदेश संगठन द्वारा भाजपा के सभी विधायकों को अपनी रेफरल कोड से 15 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया था। धार विधायक नीना वर्मा और धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर ने अपने रेफरल कोड से 15 हजार से अधिक भाजपा के सदस्य बनाएं इसी प्रकार मंत्री एवं सांसद सावित्री ठाकुर 5 हजार 500 सदस्य बनाएं भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी एक हजार से अधिक युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जयसूर्या 4 हजार 200 जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ 2 हजार 200 किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया ने 1300 सदस्य बनाएं। जिला संगठन अपने लक्ष्य के करीब पहुंच चुका है। वर्तमान में तीन लाख सदस्य बने है। धार विधानसभा अपने लक्ष्य को पार कर 86 हजार सदस्य बन चुके है। प्रदेश संगठन द्वारा भाजपा का सक्रिय सदस्य बनने के लिए अपने रेफरल कोड से सौ सदस्य बनाना अनिवार्य है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि सदस्यता अभियान में धार जिले के भाजपा प्रमुख पदाधिकारी ने 1000 से 1200 तक अपनी रेफरल आईडी से भाजपा के सदस्य बनाएं जिसमें प्रमुख रूप से महेंद्र सिंह चाचू बना ,संजय वैष्णव ,दीपक फेमस ,जीवन रघुवंशी, सौरभ शर्मा शिवराम कनौज विकास शर्मा खरसोड़ा, देवेंद्र पाटीदार, प्रशांत शर्मा आशीष जैन,सुमित रघुवंशी, करण पटेल बादल मालवीय निशांत भाटी सोहन पटेल ने सदस्यता अभियान में सक्रियता से कार्य कर भाजपा विचारधारा से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा है । जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी ।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जगन्नाथपुरी की यात्रा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 13 दिसम्बर

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत राज्य शासन के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा जगन्नाथपुरी तीर्थ के लिए पात्र हितग्राहियों से 13 दिसम्बर 2024 तक आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख नियत की गई। यह यात्रा 23 दिसम्बर से 28 दिसम्बर 2024 तक होगी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्तियों, जो आयकर दाता नहीं हो और वे मप्र के निवासी हों। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न नाम निर्दिष्ट तीर्थ स्थानों में से किसी एक स्थान की यात्रा सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना परिकल्पित की गई है। तीर्थ यात्रा में जाने के लिए आवेदक अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में संबंधित नगर पालिका अथवा जनपद पंचायत के कार्यालय में समग्र आईडी सहित प्रस्तुत कर सकते हैं। यात्रा की तिथि के दिवस यात्री को स्वयं अपने व्यय से नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन आना होगा। यात्रियों से अपेक्षा की गई है कि वे मौसम के अनुरूप वस्त्र, व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री जैसे कंबल, चादर, तौलिया, साबुन, कंघा, दाढ़ी बनाने का सामान आदि साथ में रखें। यात्रा के उपरांत यात्रियों को वापिस नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर उतरना होगा। सहायता की उम्र 18 से 50 वर्ष के बीच होना चाहिये। आवेदक एक या एक से अधिक स्थानों के लिए यात्रा के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, परंतु वह केवल एक ही स्थान की यात्रा कर सकेगा। यह जानकारी संयुक्त कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

बासी दशहरे पर बूंदाबांदी के बीच धूं-धूं कर जला दशानन

51 फीट रावण ने दहन के पूर्व दिया स्वच्छता का संदेश , शहरवासियों को किया जागरूक

देवास। हिन्दू उत्सव समिति द्वारा बासी दशहरा पर विशाल रावण के पुतले दहन कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउंड पर किया गया। समिति अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह बैस ने बताया कि 13 अक्टूबर को पुलिस लाइन ग्राउंड पर विधायक गायत्रीराजे पवार के मार्गदर्शन में हुए 51 फीट रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खण्डेलवाल, ठाकुर राजेन्द्र सिंह बैस, सभापति रवि जैन, गणेश पटेल आदि थे। रावण ने दहन होने से पूर्व शहरवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। रावण ने हाथ में झाड़ू पकडी थी। साथ ही दूसरे हाथ में कचरा एकत्रित करने वाली सुपडी भी थी, जो लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही थी। साथ ही ग्राउण्ड पर समिति द्वारा रंगारंग गगनमय आतिशबाजी भी की गई। बूंदा-बांदी के बीच हुए रावण दहन में लोगों का उत्साह कम नही हुआ। हजारों की संख्या में शहर सहित आसपास के

लोग आयोजन में हिस्सा लेने पहुंचे। इस दौरान भजनों पर राधारानी, हनुमान जी, गणेश जी आदि की वेशभूषा में कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां भी दी गई। देश में बच्चियों के साथ हो रही घटनाओं पर आधारित नाटक का मंचन भी कलाकारों द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत राकेश कुमार अग्रवाल एवं धर्मेन्द्र सिंह बैस ने किया। इस अवसर पर विजय पंडित, गणेश पटेल, संतोष पंचोली, बाबू यादव, दिलीप अग्रवाल, विद्युत मालाकार, राहुल पाटीदार, गणेश पटेल, सौदान सिंह परिहार, मनीष सेन, नवीन सोलंकी, मण्डल अध्यक्ष सचिन जोशी, विशाल रघुवंशी, पूर्व महापौर सुभाष शर्मा, ओम जोशी, आनंद कोठारी, राजेश अग्रवाल, दिलीप पवार, विशाल जैन एवं नगर निगम के पार्षद, एमआईसी सदस्य एवं वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त जानकारी आयोजन समिति के गुरूदत्त शर्मा ने दी।

स्व से समग्र की यात्रा ही कविता है, काव्य सृजन ईश्वर का अनुपम उपहार है : डॉ. प्रकाश कांत

रविन्द्र वर्मा के काव्य संग्रह पल-पल का विमोचन

देवास। एक कवि स्वयं के होने के साथ संसार को भी होने का बोध कराता है। होता सभी में है पर बाहर बिरले ही ला पाते हैं। काव्य सृजन ईश्वर का अनुपम उपहार है। सृजन एक चिरंतन प्रक्रिया है। सृजन के लिए भावों की आवश्यकता होती है। भावों को मथकर ही काव्य रूपी मक्खन प्राप्त होता है। प्रत्येक मनुष्य भावयुक्त प्रकृति का होता है पर भावों को शब्दों में ढालने की योग्यता बहुत कम लोगों में होती है और जिनमें होती है वे ही कविवर की श्रेणी में स्थान पाते हैं। स्व से समग्र की यात्रा ही कविता है। नवोदित कवि रविन्द्र वर्मा के प्रथम काव्य संग्रह पल पल के विमोचन समारोह में विख्यात साहित्यकार डॉ. प्रकाश कांत ने उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रविन्द्र वर्मा की कविताओं में मिश्रित भाव है। उन्होंने पहले प्रयास में कैनवास बड़ा रखने का प्रयास किया है। वरिष्ठ साहित्यकार मोहन वर्मा ने कहा कि विचारों की सकारात्मक अभिव्यक्ति ही साहित्य है। कविता साहित्य की एक भाव प्रवण विधा है। कविता भावों का स्व प्रेरित रूप है। इसे बनाया नहीं जा सकता है। संस्कार और संवेदनशीलता कवि की रचना में प्राण डाल देते हैं। रविन्द्र वर्मा की कविताओं में जीवन के संपूर्ण आयामों का उल्लेख है। प्राचार्य राजश्री काले ने कहा कि संकुल जैसे कार्यालय में काम करते हुए समय निकालना और साहित्य के क्षेत्र में पदार्पण करना एक बड़ी उपलब्धि है। वरिष्ठ समाज सेवी राजेश व्यास ने पल पल काव्य संग्रह के लिए रविन्द्र वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि साहित्य सृजन की यात्रा में विश्राम का कोई स्थान नहीं है। हम जितनी गहराई में जाएंगे काव्य के उतने ही बहुमूल्य मोती प्राप्त होंगे। इस अवसर पर वृंदा शर्मा, मिनी थाम, कल्पना मूले, मानसिंह भोंदिया, इमदाद शेख, रूपचंद यादव, अनुभव मिश्रा, विनय मिश्रा, सुनील चौधरी, विजय वर्मा, जयंत लोधी और मेहरबानसिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित थे। संचालन प्रसून पंड्या ने किया।

पांच दिवसीय संभाग स्तरीय शालेय योगासन व योग ओलंपियाड प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

नरसिंहपुर। 5 दिवसीय संभाग स्तरीय शालेय योगासन व योग ओलंपियाड प्रतियोगिता का शुभारंभ असेम्बली हॉल नरसिंहपुर में हुआ। यह ओलंपियाड प्रतियोगिता 14 से 18 अक्टूबर तक आयोजित की जायेगी। योगासन व योग ओलंपियाड का शुभारंभ उपाध्यक्ष नगर पालिका नरसिंहपुर श्री अजीत सिंह ठाकुर, जिला योजना अधिकारी श्री जीके नायक, सहायक

एडीपीसी श्री दीपक अग्निहोत्री, जिला खेल अधिकारी श्री संजय कंजर, श्री एसके चतुर्वेदी, जिला योग प्रभारी श्री देवेन्द्र ढिमोले, योग प्रशिक्षक श्री संजय श्रीवास्तव, टीम मैनेजर द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग के नरसिंहपुर, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट व सिवनी जिले के कुल 202 विद्यार्थी अपनी सहभागिता करेंगे, जिनमें 97 बालक एवं 105 बालिकायें शामिल हैं। यह प्रतियोगिता प्रथम चरण में जूनियर वर्ग की 17 वर्षीय बालिका से प्रारंभ हुआ।

सक्रिय सदस्यता अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रवास व प्रयास के कारण ही हुई सफल : कैलाश सोनी

नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय नरसिंहपुर में सक्रीय सदस्यता अभियान के प्रशिक्षण हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला वरिष्ठ उपाध्यक्ष निधान सिंह पटेल की अध्यक्षता में, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी के मुख्य आतिथ्य में व तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक साधना स्थापक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश प्रताप सिंह पटैल, वरिष्ठ नेता राव वीरेन्द्र सिंह, जिला महामंत्री ठाकुर राजीव सिंह व नंदकिशोर ठाकुर की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यशाला में सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन कर महापुरूषो के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा व रामस्नेही पाठक ने सामूहिक गीत लिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि पार्टी अपने स्थापना के समय से ही हमारी दृष्टि पार्टी की सदस्यता व कार्यक्षेत्र में प्रगति की रही है कार्यकर्ताओं के प्रवास व प्रयास के कारण ही हमने सफलता प्राप्त की है आज कार्यकर्ताओं के परिश्रम के कारण ही पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने के साथ ही पुनः 10 करोड नए प्राथमिक सदस्य जोड़ने के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है अभी तक डिजिटल रूप से सदस्य बनाये गए है अब फिजिकल रूप से सदस्यता प्रारंभ हो रही है जिसके अंतर्गत कार्यकर्ता बंदी के माध्यम से 100 सदस्य बनाकर सक्रिय सदस्य बनने की श्रेणी में पहुच

जाएगा इस अभियान में हमें विशेष रूप से महिलाओं हरिजनों आदिवासियों के साथ ही अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के लोगो को सक्रिय सदस्य बनाना है। कल जिलेभर में महासदस्यता अभियान चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत प्रत्येक बूथ पर कम से कम 10 सदस्य आवश्यक रूप से बनाना है जिससे जिला 75 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त कर सके। सदस्यता अभियान जिला प्रभारी ठाकुर राजीव सिंह ने सदस्यता अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में आज दिनांक तक 179224 प्राथमिक सदस्य बने है जिसमें नरसिंहपुर विधानसभा में 61165, गाडरवारा 49991, गोटेगांव 35610, तेंदूखेड़ा में 32458 प्राथमिक सदस्य बने है सक्रिय सदस्यता की जानकारी देते हुए बताया कि 100 प्राथमिक सदस्य बनाने वाला कार्यकर्ता ही सक्रिय सदस्य बनने हेतु योग्य माना जाएगा। दिनांक 16 से 31 अक्टूबर तक 100 रूपये का शुल्क नमो एप के माध्यम से जमा कर सक्रिय सदस्य बन सकते है दिनांक 1 से 4 नवम्बर तक सक्रिय सदस्यो की जांच होगी 5 नवम्बर को जिला स्तर पर सक्रिय सदस्यों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

कार्यशाला को विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक साधना स्थापक व राव वीरेन्द्र सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यशाला की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री डॉ.हरगोविंद पटेल ने व आभार जिला उपाध्यक्ष राहुल कौरव ने किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारीगण, मण्डलअध्यक्ष गण, मण्डलों की सदस्ता टोली के सदस्य उपस्थित रहे।

देर रात तीन जिलों के एसपी बदले

मनोहर सिंह टीकमगढ़, दीपक शुक्ला सीहोर, रोहित काशवानी बने विदिशा एसपी

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने रविवार रात तीन जिलों के पुलिस अधीक्षक बदल दिए। इनमें सीहोर, विदिशा और टीकमगढ़ के एसपी शामिल हैं।

गृह विभाग के आदेश अनुसार, सीहोर एसपी मयंक अवस्थी को एआईजी पीएचक्यू पदस्थ किया गया है। सेनानी 29वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल (दतिया) मनोहर सिंह मंडलोई को टीकमगढ़ एसपी बनाया गया है। एसपी विदिशा दीपक कुमार शुक्ला को एसपी सीहोर की जिम्मेदारी दी गई। टीकमगढ़ एसपी रोहित काशवानी को विदिशा एसपी की जिम्मेदारी दी गई।

धीरेंद्र शास्त्री बोले-

भारत में दो ही जातियां चलेंगी, एक अमीरी और दूसरी गरीबी

अब गली-गली में बजरंग बली की चलेगी

खजुराहो (नप्र)। बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की शारदीय नवरात्रि की 9 दिनों की उपवास साधना पूर्ण हो गई है। साधना पूर्ण होने के अगले दिन धाम पर दिव्य दरबार लगाया गया। इसमें हजारों की संख्या में उनके समर्थक पहुंचे।

पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि अब भारत की गली-गली में केवल बजरंग बली की चलेगी। अगर तुम राम के नहीं तो किसी काम के

नहीं। उन्होंने कहा कि हमने 9 दिनों में तैयारी कर ली है। अब भारत में जात-पात,ऊंच-नीच, छुआछूत, भेदभाव को हम मिटा के ही रहेंगे। सरनेम तो सबके रहेंगे, लेकिन अगर सरकार को जाति बनाने का शौक है तो दो जातियां बनानी चाहिए। अमीर की और गरीब की, ताकि भारत का विकास हो और भारत समृद्ध हो। गरीबों के साथ अन्याय और अत्याचार न हो। वर्तमान में हो रहे अंधविश्वास को इसी बल पर रोका जा सकता है। कोई भी सरकार काम नहीं करेगी, अब तुम्हें खुद सरकार बनना पड़ेगा। केवल बागेश्वर बाबा हिंदू राष्ट्र नहीं बना पाएंगे। अब भारत के प्रत्येक युवा भाई-बहन को बागेश्वर बाबा बनना पड़ेगा, तभी हिंदू राष्ट्र बनेगा।

बयानों से लगातार चर्चा में हैं शास्त्री- ऐसा पहली बार नहीं है जब धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों से खुद सरकार बनने या दो ही जातियां बनाने जैसी बात की है। हिंदू राष्ट्र के लिए भी वो पहले कई बार अपने प्रवचनों में कह चुके हैं। लव जिहाद, धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर भी बेबाकी से बोलते रहे हैं।

स्वच्छता अभियान 4.0

पीने के पानी की शिकायतें, रेलवे प्रशासन ने लिए पानी के 10 सैंपल, क्लोरीन और वायरस टेस्ट होगा

भोपाल (नप्र)। रेलवे स्टेशनों पर पीने के साफ पानी को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इसके बाद रेल प्रशासन द्वारा भोपाल सहित मुख्य स्टेशनों के फिल्टर प्लांट, सप्लाई प्वाइंट्स से लेकर स्टेशन की पाइप लाइन आदि स्थानों से 10 सैंपल लिए गए। इन्हें जांच के लिए भेजा जा रहा है। इन सैंपलों का क्लोरीन और वायरस

टेस्ट मुख्य रूप से किया जाएगा। इस रिजल्ट के आधार पर अगली कार्रवाई की जाएगी। भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत की परिकल्पना के तहत स्वच्छता अभियान 4.0 का चल रहा है।

भोपाल रेल मंडल में डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग ने स्वच्छ नीर अभियान को शुरू किया। अभियान के तहत भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों जैसे भोपाल, इटारसी, बीना, गुना और हबीबगंज में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा फिल्टर प्लांट, पंप हाउस और सप्लाई प्वाइंट्स का निरीक्षण किया गया।

पाइपलाइन का निरीक्षण

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि मंडल के रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों और कार्यालयों के वॉटर स्टैंडों की भी सफाई की गई। रेलवे कॉलोनियों और स्टेशनों में पानी की पाइपलाइन और फिल्टर स्टेशनों का संयुक्त निरीक्षण मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और सीनियर सेक्शन इंजीनियर द्वारा किया गया। कटारिया ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों और रेलवे कर्मियों को पीने का साफ पानी उपलब्ध कराना और जल स्रोतों की गुणवत्ता को निरंतर बनाए रखना है। पश्चिम-मध्य रेल प्रशासन इसे जारी रखेगा।

इंदौर-भोपाल सुबह कोहरा, फिर धूप, दोपहर में हल्की बारिश

डिंडौरी, बड़वानी समेत कुछ जिलों में गिरा पानी; अगले सप्ताह से बढ़ेगी ठंड

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सोमवार को भी बारिश का दौर जारी है। राजधानी भोपाल, इंदौर, डिंडौरी और बड़वानी के सेंधवा समेत कुछ जिलों में पानी गिरा। भोपाल और इंदौर में तो सुबह के समय हल्का कोहरा रहा। सुबह से बादल छाए रहे। इस दौरान बूंदाबांदी होती रही। डिंडौरी में सुबह करीब 20 मिनट तक तेज बारिश हुई। दोपहर करीब 1 बजे उमरिया में आधे घंटे तक पानी गिरा। शहडोल और धार जिले के पीथमपुर में भी तेज बरसात हुई।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को इंदौर-उज्जैन संभाग में बारिश होने का अनुमान है। हालांकि, प्रदेश के 50 से ज्यादा जिलों से मानसून विदा हो चुका है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि लो प्रेशर एरिया डिप्रेशन में बदल गया है।

वहीं, ट्रफ भी गुजर रही है। इस वजह से बारिश हो रही है। अगले 24 घंटे में प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर में लो प्रेशर एरिया के साथ मानसून ट्रफ की एक्टिविटी है। इस वजह से दक्षिण-पश्चिमी हवाएं नमी ला रही हैं और बारिश हो रही है।

इंदौर में देखने को मिले मौसम के अलग-अलग रंग

इंदौर में सोमवार सुबह से मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिले। सुबह कोहरा और हल्की ठंड रही। फिर 8.30 बजे बाद फिर धीरे-धीरे कोहरा हट गया और धूप खिल गई। दोपहर में हल्की बारिश हुई। मौसम में हल्की ठंड बनी हुई है।

विदिशा में रेलवे लाइन पर काम कर रहे दो कर्मियों की राज्य रानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत

इंजन में फंसे शव, करीब तीन घंटे रुकी रही ट्रेन

विदिशा (नप्र)। सोमवार सुबह बीना से भोपाल की ओर जा रही राज्य रानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से लाइन पर काम कर रहे दो चाबी मेनों की मौत हो गई। शव इंजन में फंसने के कारण तीन घंटे ट्रेन केवटन ब्रिज पर खड़ी रही। इससे रेल यातायात भी प्रभावित हुआ।

इंजन के आगे फंस गया था पाइंट मैन

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 8:30 बजे कुल्हार रेलवे ट्रैक के पास रेलवे के दो चाबी मैन मनोज सेन और हारुन खान पटरी पर चाबियां चेक कर रहे थे। तभी अचानक दोनों राज्यरानी एक्सप्रेस के इंजन की चपेट में आ गए। दोनों चाबी मैन की मौके पर ही मौत हो गई। एक चाबी मैन का शव ट्रेन के इंजन में फंस गया, जबकि दूसरा शव कटने से टुकड़ों में ट्रैक पर फैल गया।

ट्रेन को बैक कर निकाला गया शव

हादसे के बाद करीब 3 घंटे तक राज्यरानी एक्सप्रेस ट्रैक पर केवटन ब्रिज पर खड़ी रही। मौके पर जीआरपी टीम और स्थानीय पुलिस पहुंची। जीआरपी प्रभारी किशोर सिंह ने बताया कि ट्रेन को करीब एक किलोमीटर पीछे कर शव के अवशेषों को नीचे से निकाला गया। हादसे के समय दोनों कर्मचारी ट्रैक मरम्मत कर रहे थे।

किशोर सिंह ने बताया कि एक पाइंट मैन का शव इंजन के आगे कैटल गार्ड में फंस गया था। दूसरा ट्रेन से करीब 500 मीटर पीछे रह गया था। आगे वाले शव को निकालने के बाद ट्रेन को करीब 500 मीटर रिवर्स कर दूसरे शव को उठाया है। शवों को बासौदा लाया गया। जहां पोस्टमार्टम करने के बाद शव स्वजन को सौंप दिए है।

स्टेशन निर्माण की गति धीमी, दिसंबर तक हो सकेगा पूरा

गंजबासौदा : अमृत भारत योजना से तैयार हो रहा है रेलवे के नए भवन का निर्माण गाइडलाइन के अनुसार अक्टूबर तक पूरा होना था। लेकिन धीमी गति से काम चलने के कारण इसे दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है। विगत माह जब डीआरएम निरीक्षण करने आए थे, तब उन्होंने निर्माण पूरा करने के लिए अक्टूबर की गाइडलाइन तय की थी।

वर्तमान में भवन का निर्माण काफी लंबित है। निर्माण में आने वाली परेशानी के कारण यह कार्य अक्टूबर के अंत तक पूरा किया जाना संभव नहीं है। रेलवे स्टेशन पर 2800 वर्ग मीटर परिसर में प्रस्तावित विभिन्न स्ट्रक्चर निर्माण चल रहा है। इसी परिसर में वीआईपी, जनरल और आरक्षित वेटिंग रूम, बुकिंग काउंटर, किचन शौचालय सहित कारिडोर का निर्माण प्रस्तावित किया गया है।

पुराने भवन में चल रहे बुकिंग काउंटर

जब तक नए भवन में शिफ्ट नहीं होंगे। तब तक वर्तमान काउंटर नहीं टूट पाएंगे। वीआईपी परिसर के निर्माण का रास्ता साफ नहीं होगा। बाहरी स्ट्रक्चर का निर्माण पूरा हो गया है। अंदर का कार्य चल रहा है, जिसकी गति धीमी है।

दो खंडों में विभाजित है मुख्य परिसर

नया भवन 2800 वर्ग मीटर परिसर कारिडोर के माध्यम से दो खंड में विभाजित है। एक खंड में 1380 वर्ग मीटर में वीआईपी विश्राम गृह, कैंटीन, स्टोर, किचन, काउंटर आदि के साथ कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। जबकि 1500 वर्ग मीटर में अपर क्लास, जर्नल वेटिंग रूम, बुकिंग काउंटर, जनरल वेटिंग रूम, टायलेट आदि का निर्माण प्रस्तावित है।

इसके साथ ही प्लेटफार्म क्रमांक 3,4 के लिए विस्तार का काम चल रहा है, जो कि वर्तमान में अधूरा है। इसके साथ ही प्लेटफार्म पर यात्री शेड विस्तार का कार्य हो चल रहा है। हालांकि काम अलग-अलग ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा है। इसके चलते अलग-अलग टुकड़ों में चल रहा है।

जबलपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा

9 साल की बेटी की मौत; पति-पत्नी गंभीर, नागपुर-प्रयागराज हाईवे पर हादसा

जबलपुर (नप्र)। नागपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर सोमवार को तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति और 9 साल की बच्ची को रौंद दिया। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गएं। जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना पनागर थाना के बम्हनोदा ग्राम के पास सुबह करीब साढ़े 11 बजे की है।

पुलिस ने ट्रक को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक अपनी पत्नी और बेटी के साथ सिहोरा ससुराल जा रहा था। उस दौरान हादसा हुआ। घटना के बाद ड्राइवर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। ट्रक को जब्त कर पुलिस ने थाने में खड़ा किया है।

जानकारी के मुताबिक, घंसौर निवासी राकेश पटेल (38), पत्नी कविता पटेल (32) और 9 साल की बच्ची संस्कृति के साथ सुबह करीब 10 बजे बाइक क्रमांक एमपी 20 6285 से सिहोरा ससुराल जा रहा था।

बाइक जैसे ही पनागर थाना के ग्राम बम्हनौदा के पास पहुंची। तभी ट्रक ने तेज रफ्तार से टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से तीनों बीच सड़क पर गिर गए। जिसके चलते बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पनागर थाना और 108 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल पति-पत्नी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजने के साथ ही ट्रक को जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि ट्रक जबलपुर से लखनऊ जा रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया दिया है।

घटना सुबह करीब साढ़े 11 बजे की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि, जिस जगह घटना हुई है, उसके आसपास चौराहे पर कई गांव हैं, संकेतक और सफेद पट्टी नहीं होने के कारण अक्सर यहां हादसे होते रहते हैं। फिलहाल घायल पति-पत्नी के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

- अजय बहादुर सिंह, थाना प्रभारी पनागर

विजयपुर उप चुनाव में रामनिवास रावत होंगे भाजपा प्रत्याशी, बुधनी के लिए बनेगा पैनल

रामनिवास रावत कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे

भोपाल (नप्र)। विजयपुर विधानसभा उप चुनाव के लिए भाजपा ने रामनिवास रावत को अपना प्रत्याशित घोषित कर दिया है, वहीं बुधनी के लिए पैनल बनाया जाएगा। इसी के आधर पर प्रत्याशी का चयन किया जाएगा। भाजपा ने दोनों उपचुनावों के लिए तैयारी शुरू कर दी है।प्रभारी और सह प्रभारी पहले ही नियुक्त किए जा चुके है, पार्टी संगठन ने मध्य प्रदेश भाजपा कार्यालय में इसके लिए बैठक आयोजित हुई है। विजयपुर में रामनिवास रावत को ही प्रत्याशी बनाए जाने पर मुहर लग गई है। रावत कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे और मंत्री बनने के बाद विधायक पद से त्यागपत्र दे दिया है।

शिवराज के सांसद बनने के बाद खाली हो गई बुधनी विधानसभा सीट- पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सांसद बनने के बाद खाली हुई बुधनी विधानसभा सीट पर भी नामों का पैनल तैयार किया गया है। बुधनी विधानसभा सीट से दावेदारों में रमाकांत भार्गव, रंजीत सिंह चौहान और शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नारी शक्ति के सम्मान पर आधारित आठ पुस्तकों का किया विमोचन

कांग्रेस नेताओं से ज्ञापन लिया, सांसद ने भी थमा दिया

पटवारी से आलोक शर्मा बोले- बहन-बेटी पर किस कांग्रेसी ने टिप्पणी की, इसकी भी समीक्षा करें

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बढ़ते रेप, गैंगरेप और खासकर बच्चियों से यौन शोषण के विरोध में कांग्रेस 'बेटी बचाओ' अभियान चला रही है। सोमवार को कांग्रेस नेता इस अभियान के तहत बीजेपी के सांसद, विधायकों, जिले प्रभारी मंत्रियों को ज्ञापन दे रहे हैं।

भोपाल में कांग्रेस नेता जब सांसद आलोक शर्मा को ज्ञापन देने पहुंचे, तो उन्होंने ज्ञापन तो ले लिया, लेकिन अपनी ओर से भी एक ज्ञापन उन्हें थमा दिया। सांसद ने मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी को फोन पर कहा, 'मां, बहन, बेटी पर किस कांग्रेस नेता ने क्या टिप्पणी की, इसकी समीक्षा भी करें।'

कांग्रेस के शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना के नेतृत्व में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, जेपी धनोपिया, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष राजकुमार सिंह सांसद को ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान पीसी शर्मा ने पीसीसी चीफ पटवारी को फोन लगाकर सांसद को दे दिया। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कांग्रेस नेताओं को ही जीतू पटवारी के नाम ज्ञापन दे दिया।

पीसीसी चीफ से सांसद बोले- एक पत्र आपको भी भिजवा रहा हूं- पीसीसी चीफ से फोन पर बात करते हुए सांसद आलोक शर्मा ने कहा, आप लोग अभी ज्ञापन देने आए हैं, मैं ज्ञापन ले रहा हूं। ज्ञापन के सभी पॉइंट्स पढ़ूंगा और

उचित फोरम पर रखूंगा। लेकिन, एक निवेदन करना चाहता हूं कि आप लोग महिलाओं, बहनों - बेटियों के संवेदनशील मुद्दे पर ज्ञापन देने आए हैं, इसलिए आप इस बात की भी समीक्षा करें कि हमारी कांग्रेस पार्टी में कब - कौन से नेताओं ने किस तरह के स्टेटमेंट दिए हैं।

सांसद ने आगे कहा, मुझे लगता है कि इस प्रकार के स्टेटमेंट से बचना चाहिए, क्योंकि मां, बहन, बिटिया समाज का संवेदनशील मुद्दा होता है। कोई भी राजनीतिक दल हो, सबको बहन - बेटियों के मामले में बचना चाहिए। एक पत्र आपको भी जिला अध्यक्ष जी के साथ भिजवा रहा हूं।

एक साल की अबोध से लेकर 75 साल की बुजुर्ग तक सुरक्षित नहीं- कांग्रेस नेताओं के ज्ञापन में कहा गया, मध्यप्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में लगातार 1 साल से लेकर 10 साल और 70-75 साल तक की बुजुर्ग महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। छोटी-छोटी बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या होना आम बात हो गई है। महिला अत्याचार में प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक पर पहुंच गया है। इससे समस्त प्रदेश वासियों का सिर शर्म से झुक गया है।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने श्री राजकुमार हिरानी को दिया राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान

भोपाल (नप्र)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने 13 अक्टूबर को सुप्रसिद्ध पटकथा लेखक और निर्माता-निर्देशक श्री राजकुमार हिरानी को 'राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान' (वर्ष 2023) से अलंकृत किया। प्रथम राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान वर्ष 1997 में फिल्म निर्देशक श्री हृषिकेश मुखर्जी को दिया गया था। 27वां किशोर सम्मान पटकथा लेखक श्री राजकुमार हिरानी को दिया गया है। समारोह में स्व. किशोर कुमार के यादगार गीतों की प्रस्तुति मुम्बई से आये मशहूर गायक श्री नीरज श्रीधर एवं उनकी टीम द्वारा दी गई।

कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि स्व. किशोर कुमार एक होनहार व कुशल गायक थे। उनके गीतों से फिल्म संगीत को एक नई दिशा, एक नया

आयाम मिला। वे हमेशा कहते थे कि दूध जलेबी खायेंगे, खण्डवा में बस जायेंगे।

पटकथा लेखक श्री राजकुमार हिरानी ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान के लिए मध्यप्रदेश सरकार को साधुवाद दिया। बचपन से ही स्व. किशोर कुमार उनके पसंदीदा गायक रहे है, आज उनके नाम का राष्ट्रीय सम्मान पाकर वे खुद को बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

संस्कृति संचालक श्री एन.पी. नामदेव ने श्री हिरानी के लिए प्रशस्ति-पत्र का वाचन किया और बताया कि श्री हिरानी को प्रमुख रूप से मुन्ना भाई एमबीबीएस (2003), लगे रहो मुन्ना भाई (2006) और श्री इडियट्स (2009) जैसी मनोरंजक फिल्मों के लिए जाना जाता है। खंडवा के पुलिस परेड ग्राउण्ड में हुए राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान कार्यक्रम में खण्डवा की विधायिका श्रीमती कंचन तनवे, महापौर श्रीमती अमृता यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी वानखेड़े सहित बड़ी संख्या में जन-प्रतिनिधि व अधिकारी एवं संगीत प्रेमी उपस्थित थे।